मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 161
बुधवार, 25 दिसम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

लहसुन 40 से 400 पहुंच गया, कुंभकरण की नींद सो रही है सरकारः राहुल गांधी

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सरकार पर आम नागरिकों पर बढ़ती महंगाई के असर को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया और इसकी तुलना 'कुंभकरण' से की। गिरि नगर के सब्जी बाजार की हाल की यात्रा के दौरान, गांधी ने गृहिणियों से बात की जिन्होंने बताया कि कैसे बढ़ती कीमतें उनके दैनिक जीवन को बाधित कर रही हैं। स्थिर आय और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती लागत के कारण होने वाले संकट पर प्रकाश डालते हुए, गांधी ने सरकारी जवाबदेही की आवश्यकता पर बल देते हुए नागरिकों से अपने मुद्रास्फीति के अनुभवों को साझा करने का आह्वान किया।राहुल ने एक्स पोस्ट पर लिखा कि लहसुन कभी 40 रुपये था, आज 400 रुपये! बढ़ती महंगाई ने बिगाड़ा आम

आदमी की रसोई का बजट - कुंभकरण की नींद सो रही सरकार! इससे पहले राहुल गांधी ने कहा था कि भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर दो साल में सबसे कम 5.4 फीसदी पर आ गई है। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था तब तक प्रगति नहीं कर सकती जब तक इसका लाभ कुछ अरबपतियों तक सीमित न हो जाए, जबकि किसान, मजदूर, मध्यम वर्ग और गरीबों को आर्थिक संघर्ष का सामना करना पड़ता रहे।राहुल ने एक्स पर लिखा कि भारत की जीडीपी विकास दर दो साल में सबसे कम 5.4% पर आ गई है।

बात स्पष्ट है - भारतीय अर्थव्यवस्था तब तक प्रगति नहीं कर सकती जब तक इसका लाभ केवल मुट्ठी भर अरबपतियों को मिल रहा है और किसान, मजदूर, मध्यम वर्ग और गरीब विभिन्न आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आलू और प्याज की कीमतें करीब 50 फीसदी बढ़ने से खुदरा महंगाई दर 6.21 फीसदी हो गई है और रुपया गिरकर 84.50 पर पहुंच गया है।

महाराष्ट्र चुनाव में कोई गड़बड़ी नहीं, वोटिंग प्रतिशत बदलना असंभव, कांग्रेस के हर सवाल का चुनाव आयोग ने दिया जवाब

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने मंगलवार को कांग्रेस को एक विस्तृत प्रतिक्रिया जारी की, जिसमें हाल के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के दौरान मतदाता मतदान और मतदाता सूची में अनियमितताओं के आरोपों पर चिंताओं को संबोधित किया गया। आयोग ने कांग्रेस द्वारा किए गए दावों का खंडन करते हुए भारत की चुनावी प्रणाली की पारदर्शिता पर प्रकाश डाला। कांग्रेस ने शाम 5 बजे से लेकर अंतिम आंकड़ों तक मतदान प्रतिशत के आंकड़ों में अकथनीय वृद्धि और डाले गए वोटों और गिने गए वोटों में कथित विसंगतियों पर चिंता जताई।

इसने मतदाता सूची में मतदाताओं को जोड़ने और हटाने पर भी सवाल उठाया और दावा

किया कि इन कार्रवाइयों ने कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में परिणामों को प्रभावित किया। मतदाता मतदान प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए, ईसीआई ने इस बात पर जोर दिया कि अंतिम मतदान डेटा के साथ अंतरिम आंकड़ों की तुलना करना मौलिक रूप से त्रुटिपूर्ण है। शाम 5 बजे वोटर टर्नआउट ऐप पर प्रदर्शित मतदाता मतदान के आंकड़े अनंतिम और समग्र रुझान हैं, जबकि अंतिम डेटा वैधानिक फॉर्म 17सी पर आधारित है, जो डाले गए वास्तविक वोटों को दशार्ता है। चुनाव आयोग ने कहा, ये प्रक्रियाएं कठोर हैं और इनमें हेरफेर की कोई गुंजाइश नहीं है। ईसीआई ने बताया कि वोटर टर्नआउट ऐप पर अपडेट समय-समय पर सेक्टर मजिस्ट्रेटों के माध्यम से फोन कॉल और मैसेजिंग ग्रुप सहित विभिन्न तरीकों का उपयोग करके एकत्र किए जाते हैं। डेटा संग्रह और प्रसारण में देरी, विशेष रूप से दूरस्थ मतदान केंद्रों से, अंतरिम आंकड़े वास्तविक मतदान से पीछे रह सकते हैं। ईसीआई के अनुसार, कतारों में लगे मतदाताओं के लिए मतदान शाम 5 बजे के बाद भी जारी रहता है और अंतिम डेटा एकत्रीकरण अक्सर देर रात तक चलता है।

भाजपा डबल इंजन की सरकार नहीं, डबल ब्लंडर की सरकारः अखिलेश यादव

लखनऊ, 24 दिसम्बर। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार काफी एक्टिव तरीके से काम कर रही है। किसान मामले को सुलझाने की भी पूरी कोशिशे जारी हैं। वहीं दूसरी तरह विपक्ष अपना विरोध भी दर्शकों रहा हैं योगी सरकार की नीतियों को लेकर। हाल ही में संसद सत्र के दौरान भारी हंगामा देखा गया। संसद की कार्यवाही ठीक से नहीं चलर सकी। अब एक बार फिर से समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार और योगी सरकार पर निशाना साधा है। भाजपा डबल इंजन पर कटाक्ष करते हुए सरकार की नीतियों की ढोंग कहा हैं।

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व

मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र और राज्य सरकार पर तंज कसते हुए मंगलवार को कहा कि भाजपा डबल इंजन की सरकार नहीं, डबल ब्लंडर (दोहरी गलतियों वाली) की सरकार है। सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर वंदे भारत ट्रेन की उस खबर को साझा किया जिसमें बताया कि ट्रेन को गोवा जाना था लेकिन वह कल्याण चली गई।

उन्होंने पोस्ट में कहा, भाजपा डबल इंजन की सरकार नहीं, डबल ब्लंडर की सरकार है। भाजपा ने देश की गाड़ी को भी गलत पटरी पर डाल दिया है।

एक देश-एक चुनाव के प्रस्ताव पर होगी चर्चा की शुरूआत

8 जनवरी को संसदीय समिति की पहली बैठक

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर। एक देश-एक चुनाव पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की बैठक 8 जनवरी 2025 को होनी है। यह भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की इस प्रमुख चुनाव सुधार पहल पर राष्ट्रव्यापी चर्चा की शुरूआत का प्रतीक होगा। संसदीय सूत्रों के अनुसार, भाजपा सदस्य पीपी चौधरी की अध्यक्षता में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के एक साथ चुनाव के विधेयकों पर संयुक्त समिति की पहली बैठक एक परिचयात्मक बैठक होने की संभावना है, जिसमें अधिकारी दोनों विधेयकों पर पैनल को जानकारी देंगे। भाजपा के लंबे समय से प्रतीक्षित चुनावी वादे को लागू करें।

पैनल में लोकसभा से 27

और राज्यसभा से 12 सदस्य हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और सांसद पीपी चौधरी को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

लोकसभा के सदस्यों में सीएम रमेश, बांसुरी स्वराज, परषोत्तम रूपाला, अनुराग सिंह ठाकुर, विष्णु दयाल राम, भर्तृहरि महताब, संबित पात्रा, अनिल बलूनी, विष्णु दत्त शर्मा, बैजयंत पांडा, संजय जयसवाल, प्रियंका गांधी वाद्रा, मनीष तिवारी, सुखदेव भगत, धर्मेंद्र यादव, छोटेलाल, कल्याण बनर्जी, टीएम सेल्वगणपति, जीएम हरीश बालयोगी, अनिल यशवंत देसाई, सुप्रिया सुले, श्रीकांत एकनाथ शिंदे, शांभवी चौधरी, के राधाकृष्णन, चंदन चौहान और बालाशोवरी वल्लभनेनी शामिल हैं।राज्यसभा के जिन सदस्यों को इसमें शामिल किया गया है उनमें घनश्याम तिवारी, भुवनेश्वर कलिता, के लक्ष्मण, कविता पाटीदार, संजय कुमार झा, रणदीप सिंह सुरजेवाला, मुकुल बालकृष्ण वासनिक, साकेत गोखले, पी विल्सन, संजय सिंह, मानस रंजन मंगराज और वी विजयसाई रेड्डी शामिल हैं। एक साथ चुनाव के संबंध में संवैधानिक (129वां संशोधन) विधेयक पिछले सप्ताह संसद में पहली बार ई-वोटिंग के बाद लोकसभा में पेश किया गया था। परिचय का प्रस्ताव बहुमत से पारित हो गया। प्रस्ताव के पक्ष में कुल 269 वोट पड़े जबकि विरोध में 198 वोट पड़े। शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन शुक्रवार को यह बिल संसद की संयुक्त समिति के पास भेजा गया।

सूचना

देशवासियों को क्रिसमस की हार्दिक शुभकामनाएं क्रिसमस के अवसर पर उत्तरशक्ति कार्यालय 25-12-2024 को बंद रहेगा अंगला अंक 27-12-2024 को प्रकाशित होगा।

संपादक

अटल जी के प्रति अनुराग व प्रेम को व्यक्त करते हैं युवा कुम्भ जैसे आयोजन : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 24 दिसम्बर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि युवा कुम्भ जैसे आयोजन अटल बिहारी वाजपेयी के प्रति देश-प्रदेश के अनुराग व प्रेम को व्यक्त करते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षा मंत्री व लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह के साथ मंगलवार को के डी सिंह बाबू स्टेडियम में अटल युवा महाकुम्भ की शुरूआत करने के बाद अपने संबोधन में कहा कि यहां के जनप्रतिनिधियों ने पूर्व प्रधानमंत्री की स्मृति को जीवंत बनाए रखने के लिए सभी संस्थाओं को एक मंच दिया है। योगी ने कहा कि युवा कुम्भ उन स्मृतियों को ताजा कर रहा है।

जो भारत की सनातन धर्म की परंपरा में कुम्भ के आयोजन के साथ जुड़ती है। एक

आधिकारिक बयान के अनुसार, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी वर्ष पर कदम से कदम मिलाकर चलना होगा थीम पर यह आयोजन हुआ। रक्षा मंत्री व मुख्यमंत्री ने इस मौके पर बच्चों को चॉकलेट बांटी। योगी ने कहा कुम्भ भारत की पहचान है। सनातन व आध्याात्मिक ऊर्जा की अनुभूति का समागम है। उस महासमागम का जो दृश्य 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज में दिखेगा, उसकी झांकी आज यहां देखने को मिल रही है।

चुनाव आयोग के नियमों में बदलाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची कांग्रेस

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर। कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की, जिसमें चुनाव संचालन नियम, 1961 में हालिया संशोधनों को चुनौती दी गई और कहा गया कि चुनावी प्रक्रिया की अखंडता तेजी से खत्म हो रही है। सरकार ने सीसीटीवी कैमरों और वेबकास्टिंग फुटेज के साथ-साथ उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के दुरुपयोग को रोकने के लिए सार्वजनिक निरीक्षण को रोकने के लिए एक चुनाव नियम में बदलाव किया है। पार्टी नेता जयराम रमेश ने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी संभालने वाले चुनाव आयोग को इतने महत्वपूर्ण कानून में 'निर्लज्ज तरीके से एकतरफा संशोधन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।चुनाव संचालन नियम, 1961 में हाल के संशोधनों को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक रिट दायर की गई है। चुनाव आयोग, एक संवैधानिक निकाय, जिस पर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी है, उसे एकतरफा और सार्वजनिक परामर्श के बिना अनुमति नहीं दी जा सकती है। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि इतने महत्वपूर्ण कानून को इतने निर्लज्ज तरीके से संशोधित करें। यह विशेष रूप से सच है जब वह संशोधन आवश्यक जानकारी तक सार्वजनिक पहुंच को समाप्त कर देता है जो चुनावी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाता है। चुनावी प्रक्रिया की अखंडता तेजी से खत्म हो रही है। उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट इसे बहाल करने में मदद करेगा। चुनाव आयोग की सिफारिश के आधार पर, केंद्रीय कानून मंत्रालय ने 20 दिसंबर को चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 93(2)(ए) में संशोधन किया, ताकि सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुले कागजात या दस्तावेजों के प्रकार को प्रतिबंधित किया जा सके।

श्याम बेनेगल का जाना नये सिनेमा का अंत

-ललित गर्ग

बालीवुड में समानांतर सिनेमा के जनक, मंथन से लेकर वेलडन अब्बा तक जिनके फिल्मी सफर को एक युग कहा जा सकता है, बेहद कलात्मक, बेहद संजीदा, बेहद संवेदनशील, ऐसे बेमिसाल फिल्मकार श्याम बेनेगल का 90 वर्ष की उम्र में जाना अत्यंत दुखद ही नहीं है, एक सार्थक भारतीय सिनेमा एवं गौरवशाली टेलीविजन युग का अंत है। दादा साहब फाल्के के अलावा सात राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित बेनेगल ने हिंदी सिनेमा को नसीरूद्दीन शाह, ओमपुरी, स्मिता पाटिल, अमरीश पुरी, अनंत नगा जैसे प्रख्यात कलाकार दिए। उनकी फिल्मों के साथ भारतीय सिनेमा का एक नया और अविस्मरणीय दौर शुरू हुआ, जिसने भारतीय सिनेमा को एक नई ऊंचाई प्रदान की। पिता के कैमरे से 12 साल की उम्र में पहली फिल्म बनाने वाले बेनेगल ने उस समय अहसास कराया कि भारतीय सिनेमा में एक विराट प्रतिभा मोर्चा संभाल चुकी है, जिसके काम की गूंज उनकी जीवन में ही नहीं, बल्कि भविष्य में लम्बे समय तक देश और दुनिया को सुनाई देगी। जब-जब हमने बहुत ठहरकर, बहुत संजीदगी के साथ उनके काम को देखा तो अनायास ही हमें महसूस हुआ कि वे अपने आप में कितना कुछ समेटे हुए थे, अद्भुत, यादगार एवं विलक्षण। सिनेमा दर्शकों का ऐसे महा-फिल्मकार की फिल्मों से अनभिज्ञ रहना इस संसार में रहते हुए भी सूर्य, चन्द्रमा एवं तारों को न देखने जैसा है।

श्याम बेनेगल का जन्म 14 दिसम्बर 1934 को हैदराबाद में हुआ। हैदराबाद की ओसमानिया यूनिवर्सिटी से इकोनोमिक्स में एमए करने के बाद बेनेगल ने आगे जाकर हैदराबाद फिल्म सोसायटी की स्थापना की। उनका संबंध कोंकणी बोलने वाले चित्रपुर सारस्वत परिवार से था। उनका असली नाम श्याम सुंदर बेनेगल था। श्याम बेनेगल की शादी नीरा बेनेगल से हुई थी और उनकी एक बेटी पिया बेनेगल है, जो एक कॉस्ट्यूम डिजाइनर हैं, जिन्होंने कई फिल्मों के लिए भी काम किया है। श्याम ने बचपन में ही अपने फोटोग्राफर पिता श्रीधर बी. बेनेगल के कैमरे से पहली फिल्म शूट की थी। 1962 में उन्होंने पहली डॉक्यूमेंट्री फिल्म घर बैठा गंगा बनाई, जो गुजराती में थी। बेनेगल को भारत सरकार द्वारा 1976 में पद्मश्री और 1991 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। उनकी सफल फिल्मों में मंथन, जुबैदा और सरदारी बेगम शामिल हैं। जिनमें जीवन के कठोर यथार्थ को बेनेगल ने सिनेमा-शिल्प में, महीन अर्थवत्ता के साथ नाटकीयता के धनीभूत आशयों में अभिव्यक्ति दी, प्रस्तुति दी है। उनकी फिल्मों में एक ऐसी सार्वजनीनता है, जो धनी-निर्धन, शिक्षित-अशिक्षित, देशी-विदेशी सभी को बहुत भीतर तक स्पर्श करती रही है।

श्याम बेनेगल की आखिरी फिल्म ह्यमुजीबः द मेकिंग ऑफ ए नेशनह्न थी, जिसका उन्होंने निर्देशन किया था। इस फिल्म ने भारत ही नहीं, बल्कि बांग्लादेश में भी सुर्खियां बटोरीं। यह फिल्म बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान पर आधारित थी, जो बांग्लादेश के राष्ट्रपति भी थे। उनकी जिंदगी पर बनी फिल्म ने बांग्लादेश में 2024 में तख्तापलट करवा दिया था और शेख हसीना को इस्तीफा देना पड़ा था। यह फिल्म दिखाती है कि मुजीबुर्रहमान के राजनीतिक सफर की शुरूआत कैसे हुई थी, उन्होंने किस तरह बांग्लादेश की स्वाधीनता के लिए काम किया। इस फिल्म को राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम और बांग्लादेश फिल्म विकास निगम ने मिलकर बनाया था। यह फिल्म जहां एक राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को प्रस्तुति दी, वहीं दो राष्ट्रों के आपसी संबंधों को भी गहराई से उजागर किया। इस फिल्म को बंगाली के साथ-साथ हिन्दी भाषा में भी रिलीज किया गया था। इस फिल्म का एलान करते हुए बेनेगल ने बताया था कि शेख मुजीबुर्रहमान के जीवन को पर्दे पर उतारना उनके लिए एक कठिन काम रहा है। उन्होंने कहा था, यह फिल्म मेरे लिए एक बहुत ही भावनात्मक फिल्म है। मुजीब के किरदार को बेबाकी से पेश किया है, वे भारत के बहुत अच्छे दोस्त रहे। उनकी यह फिल्म ही नहीं, बल्कि हर फिल्म ने एक इतिहास निर्मित किया। क्योंकि यह उनकी ही प्रतिभा थी कि वे लगातार काम करने की रणनीतियों में बदलाव लाते रहे और फिल्म-निर्माण को एक विराट फलक तक ले जाते रहे। भारतीय सिनेमा के लगभग सौ साला इतिहास में बेनेगल एक बड़े वटवृक्ष की भांति दिखाई देते हैं।

भारतीय सिनेमा को विश्व में नई और अद्वितीय पहचान दिलाने में बेनेगल का अविस्मरणीय योगदान था। बेनेगल की पहली चार फीचर फिल्मों- अंकुर (1973), निशांत (1975), मंथन (1976) और भूमिका (1977)- ने उन्हें उस दौर की नई लहर फिल्म आंदोलन का अग्रणी बना दिया। बेनेगल की मुस्लिम महिला पर आधारित फिल्में मम्मो (1994), सरदारी बेगम (1996) और जुबैदा (2001) सभी ने हिंदी में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीते। 1959 में, उन्होंने मुंबई स्थित विज्ञापन एजेंसी लिंटास एडवरटाइजिंग में कॉपीराइटर के रूप में काम करना शुरू किया, जहाँ वे धीरे-धीरे क्रिएटिव हेड बन गए। 1963 में एक अन्य विज्ञापन एजेंसी के साथ कुछ समय तक काम किया। इन वर्षों के दौरान, उन्होंने 900 से अधिक प्रायोजित वृत्तचित्र और विज्ञापन फिल्मों का निर्देशन किया। 1966 और 1973 के बीच बेनेगल ने पुणे स्थित भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान में पढ़ाया और दो बार संस्थान के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उनके शुरूआती वृत्तचित्रों में से एक ए चाइल्ड ऑफ द स्ट्रीट्स (1967) ने उन्हें व्यापक प्रशंसा दिलाई। कुल मिलाकर, उन्होंने 70 से अधिक वृत्तचित्र और लघु फिल्में बनाई हैं।

बेनेगल ने 1992 में धर्मवीर भारती के एक उपन्यास पर आधारित सूरज का सातवां घोड़ा फिल्म बनाई, जिसने 1993 में हिंदी में सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। 1996 में उन्होंने फातिमा मीर की द अप्रेंटिसशिप ऑफ ए महात्मा पर आधारित पुस्तक द मेकिंग ऑफ द महात्मा पर आधारित एक और फिल्म बनाई। उनके जीवनी सामग्री की ओर इस मोड़ के परिणामस्वरूप नेताजी सुभाष चंद्र बोसः द फॉरगॉटन हीरो, उनकी 2005 में अंग्रेजी भाषा की फिल्म बनी। उन्होंने समर (1999) में बनी फिल्म में भारतीय जाति व्यवस्था की आलोचना की, जिसने सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। बेनेगल की फिल्म मंडी (1983), राजनीति और वेश्यावृत्ति के बारे में एक व्यंग्यपूर्ण कॉमेडी थी, जिसमें शबाना आजमी और स्मिता पाटिल ने अभिनय किया था। बाद में, 1960 के दशक की शुरूआत में गोवा में पुर्तगालियों के अंतिम दिनों पर आधारित अपनी कहानी पर काम करते हुए, श्याम ने त्रिकाल (1985) में मानवीय रिश्तों की खोज की। इन फिल्मों की सफलता के बाद, बेनेगल को स्टार शशि कपूर का समर्थन मिला, जिनके लिए उन्होंने जुनून (1978) और कलयुग (1981) बनाई। पहली फिल्म 1857 के भारतीय विद्रोह के अशांत काल के बीच की एक अंतरजातीय प्रेम कहानी थी, जबकि दूसरी महाभारत पर आधारित थी और यह बड़ी हिट नहीं थी, हालांकि दोनों ने क्रमशः 1980 और 1982 में फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ फिल्म पुरस्कार जीते। हजारों अविस्मरणीय किरदार और जिंदगी की असंख्य सच्चाइयों को खोलती उनकी फिल्में भारतीय सिनेमा की एक अमूल्य धरोहर है।

एक समय ऐसा आया जब बेनेगल की फिल्मों को उचित रिलीज नहीं मिली। इसके चलते हुए उन्होंने टीवी की ओर रुख किया जहां उन्होंने भारतीय रेलवे के लिए यात्रा (1986) जैसे धारावाहिकों का निर्देशन किया और भारतीय टेलीविजन पर किए गए सबसे बड़े प्रोजेक्ट में से एक, जवाहरलाल नेहरू की पुस्तक डिस्कवरी ऑफ इंडिया पर आधारित 53-एपिसोड का टेलीविजन धारावाहिक भारत एक खोज (1988) का निर्देशन किया। इसी तरह टीवी सीरीयल संविधान, कहता है जोकर एवं कथा सागर का निर्देशन भी किया। इससे उन्हें एक अतिरिक्त लाभ हुआ, क्योंकि वे 1980 के दशक के अंत में धन की कमी के कारण नया सिनेमा आंदोलन के पतन से बचने में कामयाब रहे, जिसके साथ कई नव-यथार्थवादी फिल्म का निमार्ता खो गया। बेनेगल ने अगले दो दशकों तक फिल्में बनाना जारी रखा। श्याम बेनेगल की फिल्म-प्रतिभा हमें चौंकाती रही है, रोमांचित करती रही है, उकसाती रही है, क्योंकि उनकी फिल्मों की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे आम लोगों के जीवन की सच्चाई और उनके संघर्षो को प्रामाणिकता एवं जीवंतता के साथ प्रस्तुत करते रहे हैं। भारतीय जिंदगी के रंग बेशुमार है, कला-संस्कृति की अविस्मरणीय धाराएं हैं, अनूठा एवं बेजोड़ इतिहास और उसकी कहानियां भी अनंत-अथाह। बेनेगल का फिल्मी-युग भारत की खिड़की से विश्व को देखने एवं विश्व को भारत दिखाने की पहल का एक स्वर्णिम युग है। भारतीय सिनेमा दिग्दर्शन के इस विशिष्ट हस्ताक्षर श्याम बेनेगल के निधन से निश्चित ही एक सर्जनशील कलासाधक एवं सच्चाई को रूपहले पर्दे पर उतारने वाले सफल एवं सार्थक फिल्मकार का अंत हो गया।

अटल बिहारी वाजपेयी के अधूरे सपनों को पूरा कर रहे है प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी

अशोक भाटिया

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म जयंती 25 दिसंबर को विशेष

अटल बिहारी वाजपेयी जिनका आज जन्म दिन है आजाद भारत में पैदा हुए पांच शानदार नेताओं में से एक थे। इन सभी पाँच नेताओं का देश की जनता पर गहरा और लगभग पूर्ण प्रभाव था। उनका कद, शैली, मानक और बोलबाला अद्वितीय और अभूतपूर्व था/हैं। ये पांच नेता थे/हैं महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी और नरेंद्र मोदी। जबकि पहले तीन राष्ट्रीय नेता विचारधारा की एक धारा का प्रतिनिधित्व करते थे, बाद के दो विचारधारा की बिल्कुल अलग धारा का प्रतिनिधित्व/प्रतिनिधित्व करते थे, जो पहले से बिल्कुल अलग है।इन्ही में से एक अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने राष्ट्र के प्रति सेवा काल में बहुत ही उत्कृष्ट काम किए जिन्हें विरोधी दल पचा नहीं पा रहे थे । उन्हें लगता था कि यदि अटल बिहारी वाजपेयी इसी प्रकार आगे बढ़ते रहे तो लोग उन्हें (विपक्षी दलों) को भूल जाएंगे ।परन्तु वाजपेयी ने अपनी विचारधारा का लगातार अनुसरण करते रहे लेकिन भारत में तत्कालीन चुनावी राजनीति की मजबूरियों ने उन्हें गठबंधन की राजनीति का नेतृत्व करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इस कला में दोनों स्थितियों में महारत हासिल की, जब वे विपक्ष में थे और तब भी जब वे सत्ता पक्ष में थे। राजनीति और सार्वजनिक जीवन में अपने लंबे अनुभव से, उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं, दूसरी पीढ़ी के नेतृत्व और करीबी अनुयायियों के लिए सीखने के लिए कई सबक छोड़े।

समय की विडम्बना थी कि जब 1996 में प्रधान मंत्री के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान जब उन्हें लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा तो उनकी सरकार केवल एक वोट से गिर गई । उस समय उन्होंने लोकसभा में अपने शानदार भाषण में कहा था कि सरकारें आएंगी और जाएंगी, नेता आएंगे और जाएंगे, लेकिन यह देश सहना होगा, टिकना होगा......अगर आप (विपक्ष) हमें हटाकर सरकार बनाना चाहते हैं, तो बना सकते हैं, लेकिन मुझे उम्मीद नहीं है कि यह टिकेगी।भाजपा ऐसी पार्टी नहीं है एक कुकुरमुत्ते की तरह उग आया है, इसने जनता के बीच अपनी जगह बनाने के लिए चालीस साल तक काम किया है ...... आज आप (विपक्ष) हम पर हंस रहे हैं क्योंकि हमारे पास सीटें कम हैं, लेकिन एक दिन पूरा देश ऐसा करेगा आप पर हंसें। हम जरूरी संख्या के साथ वापस आएंगे और जो मिशन हमने अपने हाथ में लिया है, उसका पालन करते रहेंगे।

उन्होंने अपने मिशन को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए संख्याओं के महत्व को रेखांकित किया। संसद में भाजपा के लिए पूर्ण संख्या प्राप्त करने का उनका सपना उनके ऐतिहासिक भाषण के 18 साल बाद 2014 में उनके सबसे करीबी शिष्यों में से एक नरेंद्र मोदी के भाषण के बाद साकार हुआ। 1996 के बाद, वाजपेयी दो बार भारत के प्रधान मंत्री चुने गए लेकिन दोनों समय; उन्हें गठबंधन सरकार बनानी पड़ी क्योंकि दोनों बार भाजपा केवल 182 सीटें जीत सकी, जो आवश्यक बहुमत से नब्बे एक कम थी। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने 2014 के साथ-साथ 2019 में भी पूर्ण बहुमत हासिल किया और दोनों बार कांग्रेस को सिर्फ 50 सीटों के आसपास ही समेट दिया। वाजपेयी की बातें सच हुईं और उनका सपना भी साकार हुआ कि भाजपा एक दिन पूरे बहुमत के साथ वापस आएगी। भाजपा को पूर्ण बहुमत दिलाने में प्रधानमंत्री मोदी की असाधारण उपलब्धि की भाजपा के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी ने संसद के केंद्रीय कक्ष में भाजपा की पहली संसदीय दल की बैठक में सराहना की, जो लोकसभा में पार्टी के नेता का चुनाव करने के लिए बुलाई गई थी मई 2014 में।

अब भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले पंद्रह वर्षों के दौरान उनके प्रमुख सपनों को साकार करने में निरंतर कार्य कर रहे है ।इन सपनों का अपने गहरे संगठनात्मक, वैचारिक और राजनीतिक निहितार्थों को ध्यान में रखते हुए न केवल भाजपा (पहले भारतीय जनसंघ) के लिए बल्कि पूरे देश के लिए बहुत महत्व था ।वाजपेयी ने कई अवसरों पर अपनी कुछ प्रसिद्ध अभिव्यक्तियों पर सार्वजनिक रूप से चर्चा की और आशा व्यक्त की कि सपने एक दिन सच होंगे, भले ही वे उनके जीवनकाल में साकार न हो सकें। उन्होंने उनके बारे में बात करने का कोई मौका नहीं छोड़ा और अपने कार्यकर्ताओं और लोगों दोनों को उन आदर्शों के प्रति प्रतिबद्ध रहने के लिए प्रेरित किया, जिन्होंने उनके जीवन को प्रेरित किया और उन्हें पूरा करने की दिशा में काम किया।

प्रधान मंत्री के रूप में वाजपेयी की तीसरी पारी के दौरान, ₹उन्होंने (वाजपेयी) 2001 के पहले सप्ताह में अपने प्रवास के दौरान, केरल में समुद्र के आकार की वेम्बनाड झील के पिछले पानी पर कुमारकोम से अपनी प्रसिद्ध म्युसिंग लिखी थी। उन्होंने एक के बाद एक दो लेख लिखे। उसी स्थान से अन्य जिन्हें भारत के लगभग सभी प्रमुख समाचार पत्रों द्वारा प्रकाशित किया गया था। उन्होंने उन्हें ₹अतीत की समस्याओं को हल करने का समय, बेहतर भविष्य की ओर आगे बढ़ने का समयर₹ शीर्षक दिया।

प्रिय और महान अटल जी ने लिखा, हमारा देश कई समस्याओं का सामना कर रहा है जो हमारे इतिहास की विरासत हैं। मैं उनमें से दो पर अपने विचार साझा करना चाहता हूं। एक जम्मू-कश्मीर को लेकर पाकिस्तान के साथ लंबे समय से चली आ रही समस्या है और दूसरा अयोध्या में राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद है। उन्होंने आगे कहा था कि हालांकि, मुझे यह जानकर दुख हुआ कि पाकिस्तान सरकार अपनी धरती पर स्थित आतंकवादी संगठनों पर लगाम लगाने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रही है, जो कश्मीर और अन्य हिस्सों में निर्दोष नागरिकों और हमारे सुरक्षा कर्मियों दोनों को निशाना बनाकर हत्या का सिलसिला जारी रखे हुए हैं। मैं उन कश्मीरियों के दर्द और पीड़ा को भी महसूस करता हूं जो अपनी ही मातृभूमि में शरणार्थी बन गए हैं। कश्मीर समस्या के बाहरी और आंतरिक दोनों आयामों के स्थायी समाधान की हमारी खोज में, हम केवल अतीत की घिसी-पिटी राह पर नहीं चलेंगे। बल्कि, हम पूरे दक्षिण एशिया क्षेत्र के लिए शांति और समृद्धि की भविष्य की वास्तुकला के साहसी और नवोन्मेषी डिजाइनर होंगे।

और तदनुसार, प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह ने अपनी सरकार और भारत की संसद को ऐतिहासिक ₹शांति और समृद्धि के भविष्य की वास्तुकला के डिजाइनर₹ बनने का नेतृत्व किया, जब उन्होंने 5-6 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 और 35ए को निरस्त करने का संकल्प पारित कराया और जम्मू-कश्मीर के संबंध में राजनीतिक द्वंद्व समाप्त हो गया। यह निश्चित रूप से ₹अतीत की घिसी-पिटी राहर₹ से एक कदम दूर था। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 11 दिसंबर 2023 को भारतीय संविधान की दृष्टि से संसदीय कार्रवाई को मान्य कर दिया और इस प्रकार संवैधानिक द्वंद्व को भी हमेशा के लिए समाप्त कर दिया।आज कश्मीर में लोकतंत्र की सरकार है व ह्यदो प्रधान दो निशानह्न का नामोनिशान मिट गया हैं ।

अयोध्या मुद्दे के संबंध में, वाजपेयी ने कहा था की मैंने हमेशा माना है कि इस विवादास्पद मुद्दे को हल करने के दो तरीके हैंः न्यायिक मार्ग या पारस्परिक रूप से स्वीकार्य स्थिति के लिए बातचीत का मार्ग। मैंने कहा है कि सरकार न्यायपालिका के फैसले को स्वीकार करेगी और लागू करने के लिए संवैधानिक रूप से बाध्य है, चाहे वह कुछ भी हो। लेकिन यह गैर-सरकारी और गैर-राजनीतिक ढांचे में बातचीत की आवश्यकता को समाप्त नहीं करता है। न्यायिक मार्ग और बातचीत का विकल्प एक-दूसरे को बाहर नहीं करते, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं।

उन्होंने भारतीय लोकाचार का खूबसूरती से वर्णन किया था कि भारत अपने सभी नागरिकों और समुदायों का समान रूप से है, न किसी का ज्यादा और न किसी का कम। साथ ही, हमारी राष्ट्रीय एकता और अखंडता को मजबूत करना और देश की प्रगति में योगदान देना सभी नागरिकों और समुदायों का समान कर्तव्य है। हाल के दिनों में, अपने अधिकारों पर कम और अपने कर्तव्यों पर कम ध्यान देने की प्रवृत्ति बढ़ी है। इसे बदलना होगा। अपने लंबे इतिहास में, भारत की एकता धर्मनिरपेक्षता के लोकाचार से पोषित हुई है जो उसके सभी लोगों को न केवल एक-दूसरे के रीति-रिवाजों, परंपराओं और मान्यताओं को सहन करना सिखाता है, बल्कि उनका सम्मान भी करता है। आपसी सहिष्णुता और समझ से सद्भावना और सहयोग बढ़ता है, जो बदले में हमारी राष्ट्रीय एकता के रेशमी बंधन को मजबूत करता है। धर्मनिरपेक्षता कोई विदेशी अवधारणा नहीं है जिसे हमने आजादी के बाद मजबूरी में आयात किया हो। बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय संस्कृति और लोकाचार की एक अभिन्न और प्राकृतिक विशेषता है। 22 जनवरी 2024 को, वाजपेयी का एक और सपना भी पूरी तरह से साकार हो गया जब अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया ।इस अवसर पर देश के शीर्ष नेताओं और प्रतिष्ठित लोगों के अलावा 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों के उपस्थित रहे ।इस सपने के साकार होने के साथ ही अब वाजपेयी का चौथा सपना फोकस में होगा। इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उचित समय और स्थान की जरूरत है।

वाजपेयी का एक और सपना अभी तक अधूरा सपना भारतीय संविधान के निदेशक सिद्धांतों में से एक है, यानी पूरे देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का कार्यान्वयन। बीजेएस के दिनों से ही, वाजपेयी अपनी पार्टी के अन्य सहयोगियों और साथियों के साथ इस मुद्दे की वकालत करते रहे हैं। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने भी कई बार सरकार से इस दिशा में सकारात्मक रूप से आगे बढ़ने को कहा है। अब भारत सरकार को आखिरी फैसला लेना है। अगले छह महीनों के एजेंडे में यह माना जाता है कि यूसीसी का कार्यान्वयन अगली सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम बनेगा।

देश के अप्रतिम नेता अटल बिहारी वाजपेयी की विरासत का जश्न

(25 दिसम्बर, सुशासन दिवस 2024)

-डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में हर साल 25 दिसम्बर को देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के उपलक्ष्य में सुशासन दिवस मनाया जाता है। पहली बार 2014 में मनाया गया यह दिवस पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन प्रदान करने और यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है कि विकास का लाभ हर नागरिक तक पहुँचे। अटल बिहारी वाजपेयी एक प्रमुख भारतीय राजनेता और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संस्थापक सदस्य थे। अपनी वाक्पटुता और काव्य कौशल के लिए जाने-जाने वाले, उन्हें उनके उदार राजनीतिक विचारों और आम सहमति बनाने के प्रयासों के लिए पार्टी लाइनों से परे सम्मान दिया जाता था। वाजपेयी का राजनीतिक करियर पाँच दशकों से अधिक समय तक चला, जिसके दौरान उन्होंने भारत की घरेलू और विदेश नीतियों को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा के सम्मान में, उन्हें 2015 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। 25 दिसम्बर, 1924 को ग्वालियर, मध्य प्रदेश में जन्मे अटल बिहारी वाजपेयी एक प्रतिष्ठित राजनेता, कवि और वक्ता थे। उन्होंने तीन बार भारत के प्रधान मंत्री के रूप में कार्य किया और देश के विकास पथ पर एक अमिट छाप छोड़ी। उनके कार्यकाल में महत्त्वपूर्ण आर्थिक सुधार, स्वर्णिम चतुर्भुज जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाएँ और भारत की वैश्विक स्थिति में सुधार के प्रयास शामिल थे। वाजपेयी के नेतृत्व की विशेषता लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता थी, जो उनकी जयंती को सुशासन दिवस मनाने का एक उपयुक्त अवसर बनाती है। सुशासन दिवस 2024 न केवल वाजपेयी की विरासत का स्मरण करता है, बल्कि नागरिकों और अधिकारियों से देश के समग्र विकास के लिए पारदर्शी, जवाबदेह और समावेशी शासन को बढ़ावा देने का आग्रह भी करता है।

25 दिसम्बर, 2024 का सुशासन दिवस विशेष महत्त्व रखता है क्योंकि यह अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती है। इस मील के पत्थर को मनाने के लिए, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग ने 19 से 24 दिसम्बर, 2024 तक चलने वाले 'प्रशासन गाँव की ओर' नामक एक सप्ताह के अभियान की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य शासन को जमीनी स्तर पर लाना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्रशासनिक सेवाएँ ग्रामीण आबादी तक पहुँच सकें। सुशासन दिवस पारदर्शी, जवाबदेह और लोगों की जरूरतों के प्रति उत्तरदायी शासन के महत्त्व की याद दिलाता है। सुशासन सार्वजनिक संसाधनों और संस्थानों को ईमानदारी और निष्पक्ष रूप से, भ्रष्टाचार या सत्ता के दुरुपयोग के बिना प्रबंधित करने की एक प्रक्रिया है। यह सुनिश्चित करता है कि कानूनों का पालन किया जाए, मानवाधिकारों की रक्षा की जाए और समाज की जरूरतों को पूरा किया जाए। इसका उद्देश्य नागरिकों की प्रभावी रूप से सेवा करने और शासन प्रक्रिया में जनता की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार की ज़िम्मेदारी के बारे में लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाना है।

25 दिसम्बर, 2024 का सुशासन दिवस विशेष महत्त्व रखता है क्योंकि यह अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती है। इस मील के पत्थर को मनाने के लिए, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग ने 19 से 24 दिसम्बर, 2024 तक चलने वाले 'प्रशासन गाँव की ओर' नामक एक सप्ताह के अभियान की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य शासन को जमीनी स्तर पर लाना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्रशासनिक सेवाएँ ग्रामीण आबादी तक पहुँच सकें। सुशासन दिवस पारदर्शी, जवाबदेह और लोगों की जरूरतों के प्रति उत्तरदायी शासन के महत्त्व की याद दिलाता है। सुशासन सार्वजनिक संसाधनों और संस्थानों को ईमानदारी और निष्पक्ष रूप से, भ्रष्टाचार या सत्ता के दुरुपयोग के बिना प्रबंधित करने की एक प्रक्रिया है। यह सुनिश्चित करता है कि कानूनों का पालन किया जाए, मानवाधिकारों की रक्षा की जाए और समाज की जरूरतों को पूरा किया जाए। इसका उद्देश्य नागरिकों की प्रभावी रूप से सेवा करने और शासन प्रक्रिया में जनता की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार की ज़िम्मेदारी के बारे में लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाना है।

भारतीय राजनीति में उनके योगदान और पारदर्शी और जवाबदेह सरकार के लिए उनके दृष्टिकोण को मान्यता देना। जागरूकता को बढ़ावा देना, नागरिकों को सुशासन के महत्त्व और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी भूमिका के बारे में शिक्षित करना। जनता की प्रभावी और नैतिक रूप से सेवा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूत करना। इसे किसी संगठन या समाज के भीतर निर्णय लेने और लागू करने की प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। शासन केवल व्यवस्था बनाए रखने के लिए ही आवश्यक नहीं है; यह उद्देश्यों को प्राप्त करने और समुदाय या समूह की आवश्यकताओं को सम्बोधित करने में भी मदद करता है। विश्व बैंक के अनुसार, सुशासन ₹वह तरीका है जिसमें विकास के लिए किसी देश के आर्थिक और सामाजिक संसाधनों के प्रबंधन में शक्ति का प्रयोग किया जाता है₹। संस्थाओं को इस तरह से संचालित होना चाहिए कि दूसरों के लिए यह देखना आसान हो कि क्या कार्य किए जा रहे हैं। यह भ्रष्ट आचरण को भी रोकता है। शासक वर्ग को लोगों के प्रति जवाबदेह होना चाहिए। इससे लोगों और पूरे समाज की बेहतरी सुनिश्चित होगी।

शासी संस्थाओं को लोगों की चिंताओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए और उचित समय के भीतर उनकी जरूरतों को पूरा करना चाहिए। समाज के सभी वर्गों के लोगों को बिना किसी भेदभाव के सुधार के लिए समान अवसर प्रदान किए जाने चाहिए। निर्णय समाज के एक बड़े वर्ग की सहमति से लिए जाने चाहिए, ताकि यह किसी के लिए हानिकारक न हो। उपलब्ध संसाधनों का कुशलतापूर्वक उपयोग किया जाना चाहिए ताकि ऐसे परिणाम प्राप्त हों जो उनके समुदाय की आवश्यकताओं को पूरा करें। प्रत्येक व्यक्ति के अधिकारों को बनाए रखने के लिए कानूनी ढांचे को निष्पक्ष तरीके से लागू किया जाना चाहिए। समाज के लोगों को वैध संगठनों या प्रतिनिधियों के माध्यम से अपनी राय व्यक्त करने में सक्षम होना चाहिए। इसमें कमजोर और पिछड़े समूह भी शामिल हैं। सुशासन प्रथाएँ जनता के हितों को बनाए रखने में मदद करती हैं। सुशासन किसी संगठन को गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करने के लिए मौजूदा संसाधनों का इष्टतम और कुशल उपयोग करने में सक्षम बनाता है। सुशासन प्रथाएँ शक्ति और पद के अत्यधिक उपयोग के विरुद्ध जाँच और संतुलन भी सुनिश्चित करती हैं।

शासन प्रक्रिया में जनता की भागीदारी तभी प्राप्त की जा सकती है जब सुशासन प्रथाओं को लागू किया जाए। सुशासन दिवस विभिन्न पहलों के माध्यम से नैतिक शासन, पारदर्शिता और नागरिक भागीदारी पर जोर देता है। इन पहलों का उद्देश्य प्रशासन को अधिक कुशल, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित बनाना है। ई-गवर्नेंस, डिजिटल साक्षरता और सरकारी सेवाओं तक निर्बाध पहुँच को बढ़ावा देता है। नागरिकों को सार्वजनिक सूचना तक पहुँचने के लिए सशक्त बनाकर पारदर्शिता सुनिश्चित करता है। सरकारी परियोजनाओं पर प्रतिक्रिया प्रदान करके नीति निर्माण में नागरिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करता है। पूरे भारत में स्वच्छता, सफाई और अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार पर ध्यान केंद्रित करता है। लाभार्थियों को सीधे सब्सिडी हस्तांतरित करता है, भ्रष्टाचार को कम करता है और लक्षित वितरण सुनिश्चित करता है। कुशल शासन के लिए देरी को सम्बोधित करते हुए सरकारी परियोजनाओं के समय पर निष्पादन की निगरानी करता है।

यूपी के मिनी पंजाब में फिर खालिस्तानियों की दस्तक

-अजय कुमार

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में तीन खालिस्तान आतंकवादियों के मुठभेड़ में मारे जाने के बाद यहां के लोगों में तीन दशकों के बाद एक बार फिर खौफ का माहौल पैदा हो गया है। पंजाब में जब 80-90 के दशक में सिख आतंकवाद चरम पर था,उस समय उत्तर प्रदेश के तराई के कुछ जिले भी इससे प्रभावित हुए थे। तब यूपी का विभाजन नहीं हुआ था।उस दौर में लखीमपुर खीरी, पीलीभीत, खटीमा,नैनीताल जैसे सिख आबादी वाले जिलों में अक्सर आतंकियों के पनाह लेने और वारदात करने की खबरें मिल जाती थी,लेकिन पिछले करीब तीन दशकों से यहां का माहौल काफी बदल चुका हैं, सिख आतंकवाद के किस्से किताबों में सिमट गये थे,परंतु गत दिवस पीलीभीत के पूरनपुर में तीन खालिस्तानी आतंकियों के एनकाउंटर से एक बार फिर वर्षों बाद तराई का इलाका दहल उठा। बात 80 और 90 के दशक की कि जाये तो उस दौरान जब पंजाब में खालिस्तानी आतंकवाद चरम पर था। उस दौरान करीब 12 वर्ष तक तराई में भी इस आतंक का साया रहा था। तब पीलीभीत और लखीमपुर खीरी में खालिस्तान आतंकवादियों ने कई लोगों की हत्या कर दी थी। सबसे चर्चित पीलीभीत की वो घटना है, जो जुलाई 1992 में हुई थी। आतंकवादियों ने जंगल में एक साथ 29 लोगों की हत्या कर दी थी। यह वर्ष 1985 से लेकर 1997 के बीच का दौर था, जब तराई इलाके में जिला खीरी से लेकर शाहजहांपुर के खुटार, पीलीभीत के पूरनपुर से लेकर उत्तराखंड के जिला ऊधमसिंह नगर और नैनीताल तक खालिस्तान समर्थकों का आतंक रहा। उस दौरान खालिस्तान समर्थक आतंकी संगठनों ने यहां कई बड़ी और चर्चित घटनाओं को अंजाम दिया था। उस दौरान मैलानी गुरुद्वारे में रह रहे खुफिया विभाग के दरोगा को गोली मारने का मामला फिर जंगल में छिपे इस कांड के आरोपी भीरा निवासी सुखविंदर सिंह का तत्कालीन एसपी ओपी सिंह द्वारा एनकाउंटर किया जाना हो या फिर खीरी के मैलानी के आसपास पीलीभीत और शाहजहांपुर के कई इलाके खालिस्तानी आतंकवादियों के हमेशा निशाने पर की बात तब माहौल काफी भयावह रहता था। इसी तरह से वर्ष 1988-89 में मैलानी-भीरा के मध्य राज नारायणपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास दुग्ध वाहन को रोककर उसमें सवार एक दर्जन लोगों की खालिस्तान आतंकवादियों ने हत्या कर दी थी। इस नरसंहार को खालिस्तानी आतंकवादियों के मेजर गुट ने अंजाम दिया था। 26 नवंबर 1995, 26 अक्टूबर 1997 और 28 मार्च 1998 को भीखमपुर-मैलानी के बीच रेलवे ट्रैक काट कर नैनीताल एक्सप्रेस ट्रेन को पलटने की साजिश के पीछे भी खालिस्तान उग्रवादियों का हाथ होने की बात सामने आई थी। बहरहाल,एक बार फिर अब पंजाब और उत्तर प्रदेश पुलिस को पीलीभीत में तीन खालिस्तानी आतंकियों को मार गिराने में जो सफलता मिली, वह एक बड़ी कामयाबी है। मारे गए आतंकियों के पास से दो एके-47 राइफलों के साथ विदेशी पिस्टल और बड़ी मात्रा में कारतूस मिले। पुलिस और खुफिया सूत्रों के अनुसार यह आतंकी पिछले कुछ समय से पंजाब में थानों और चौकियों पर बम फेंककर आतंक का माहौल कायम करने में लगे थे। इनका संबंध खालिस्तानी जिंदाबाद फोर्स नामक आतंकी संगठन से बताया जा रहा है। पता यह भी चला है कि विदेश में बैठे खालिस्तानी तत्वों ने पीलीभीत में मारे गए आतंकियों को हथियार उपलब्ध कराए थे। यदि यह सही बात है तो इसकी गहनता से पड़ताल होनी चाहिए कि वे ऐसा करने में कैसे समर्थ हो गए। पड़ताल इसकी भी होनी चाहिए कि मारे गए आतंकी पंजाब में थानों और चौकियों को निशाना बनाने के बाद पीलीभीत में क्या करने आए थे। पीलीभीत उनके छिपने के लिए सुरक्षित ठिकाना था या फिर वे यहां कोई वारदात करने की फिराक में थे। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि जिस समय पंजाब में खालिस्तानी आतंकवाद अपने चरम पर था, तब पीलीभीत और उसके आसपास का तराई का इलाका खालिस्तानी आतंकियों का गढ़ बन गया था।

सिख आबादी की ठीक-ठीक संख्या के चलते तराई के इस इलाके को मिनी पंजाब कहा जाता है। ऐसे में यह सोचना गलत नहीं है कि कहीं ऐसा तो नहीं कि इस इलाके में खालिस्तान समर्थक फिर से सक्रिय हो गए हैं और उनके चलते ही मारे गए आतंकी पीलीभीत आए हों। जो भी हो, यह ठीक नहीं कि पंजाब में खालिस्तानी आतंकियों का दुस्साहस बढ़ता जा रहा है।खालिस्तानी आतंकियों के बढ़ते दुस्साहस का पता इससे चलता है कि बीते कुछ समय से पंजाब में एक के बाद एक आठ थानों और चौकियों में बम से हमले हो चुके हैं। इन हमलों की जिम्मेदारी खालिस्तानी आतंकी संगठनों ने ली है। इनमें से एक संगठन खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स भी है। पंजाब में थानों और चौकियों को निशाना बनाए जाने की घटनाओं का आकलन करने वाली राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने आशंका जताई है कि विदेश से संचालित खालिस्तानी आतंकी संगठन पंजाब में कोई बड़ी वारदात करने की कोशिश में हैं। यह आशंका कितनी प्रबल है, इसका पता इससे चलता है कि चंडीगढ़ में पंजाब पुलिस मुख्यालय की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। यह ठीक है कि कुछ खाली पड़ी पुलिस चौकियों पर भी बम फेंके गए, लेकिन इन घटनाओं से यह तो पता चलता ही है कि खालिस्तानी आतंकी बेलगाम हो रहे हैं। अब जब पीलीभीत की घटना से यह स्पष्ट हो रहा है कि खालिस्तानी आतंकी पड़ोसी राज्यों में पैर पसार रहे हैं, तो पंजाब पुलिस को ऐसे सभी राज्यों और खासकर उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, हिमाचल आदि की पुलिस से अपना सहयोग एवं समन्वय बढ़ाना होगा।

यहां यह भी याद रखना चाहिए कि 90 के दशक के अंत में जब सिख आतंकवाद की रीढ़ टूट गई थी उसके बाद 18 सितंबर 2017 को यहां दोबारा उसी आतंक की दस्तक हुई थी, जब यूपी एटीएस और पंजाब पुलिस की टीम ने खीरी जिले से प्रतिबंध आतंकी संगठन बब्बर खालसा के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया था। यह दोनों हरप्रीत उर्फ टोनी और सतनाम सिंह खीरी जिले के निवासी थे। इन्हें पंजाब की नाभा जेल से 27 नवंबर 2016 को दो आतंकी और चार गैंगस्टर को फरार कराया गया था। इसी मामले में लखीमपुर के हरप्रीत उर्फ टोनी व सतनाम सिंह के खिलाफ पंजाब के जिला भगत सिंह नगर की अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इन दोनों पर आरोप था कि इन्होंने जेल से भागने वाले आतंकियों को असलहा और अन्य मदद मुहैया कराई थी।

पुलिस की जांच में यह भी बात सामने आई थी कि यह दोनों लंबे समय से यूपी के तराई इलाके से लेकर पंजाब तक बब्बर खालसा के स्लीपिंग मॉड्यूल के रूप में काम कर रहे थे। हालांकि इन दोनों की गिरफ्तारी के बाद यहां मामला शांत रहा, लेकिन अभी कुछ दिन पहले ही यहां पंजाब के आतंकवादी नारायण सिंह चौड़ा का कनेक्शन भी सामने आया था। पंजाब में आतंकवादी चौड़ा ने पुलिस रिमांड में यह बयान दिया था कि उसने खीरी जिले के नेपाल बॉर्डर से सटे क्षेत्र में हथियार छिपा कर रखे हैं। इसके बाद पंजाब पुलिस द्वारा आतंकवादी चौड़ा को यहां लाए जाने को लेकर दो-तीन दिनों तक काफी हलचल रही थी। अब पीलीभीत में मुठभेड़ में तीन खालिस्तानी आतंकवादियों के मारे जाने के बाद भारत-नेपाल सीमा से सेट क्षेत्र में सुरक्षा और खुफिया एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं।

स्कूल के स्नेह समेलन में विद्यार्थियों ने सांता क्लॉज बनकर शराब न पीने का दिया संदेश

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आज पूरी दुनिया में क्रिसमस का पर्व मनाया जा रहा है। कई जगहों पर सांता की ओर से तोहफे दिए जा रहे हैं। इसी तरह साकीनाका के समता विद्यालय का वार्षिक स्नेह सम्मेलन 22 दिसंबर 2024 से 24 दिसंबर 2024 तक आयोजित किया गया। इस स्नेह सम्मेलन में स्कूल के विद्यार्थियों ने सांता क्लॉज बनकर विभिन्न सामाजिक संदेश दिये। इस अवसर पर नो ड्रिंक, नो ड्रग, जंक फूड, और स्वच्छता का संदेश दिया गया। विद्यार्थियों ने हाथों में बोर्ड लेकर जिंगल बेल, जिंगल बेल, जिंगल ऑल द गीत गाते हुए उपस्थित विद्यार्थियों व अभिभावकों को संदेश दिया। बता दें कि इस वर्ष का वार्षिक स्नेह सम्मेलन स्कूल के सचिव राजेश सुभेदार, कार्याध्यक्ष ज्योति सुभेदार की संकल्पना से आयोजित किया गया। इस दौरान कैलेंडर वर्ष के अंत में, युवा शराब और अन्य व्यसनों से नए साल का स्वागत करते हैं, लेकिन यह संदेश देना हमारी भारतीय परंपरा नहीं है कि युवाओं को शराब और अन्य हानिकारक पदार्थों से दूर रहना चाहिए स्कूल के सचिव राजेश सुभेदार ने बताया कि इस वर्ष स्नेह सम्मेलन में बच्चों ने सांता क्लॉज बनकर संदेश भेजा।

बीएन ग्रुप के प्रमुख ब्राण्ड सिम्पली फ्रेश ने अपना नया कैम्पेन, रखो इरादे फ्रेश लॉन्च किया

मुंबई। बीएन ग्रुप के प्रमुख ब्राण्ड सिम्पली फ्रेश ने अपना नया कैम्पेन, रखो इरादे फ्रेश लॉन्च किया है। वे एक ऐसा विज्ञापन लेकर आए हैं जोकि लोगों के दिलों के तार जोड़ता है और वास्तविक जीवन के उन असली नायकों की बात करता है जिन्होंने अपनी अलग सोच और प्रभावी तरीकों का परिचय दिया है। इस कैम्पेन का प्रेरणादायक टीवी विज्ञापन ग्रामीण भारत में संवहनीय खेती के लिए अपना बेहतरीन कॅरियर छोड़ देने वाली एक आईटी प्रोफेशनल नीरजा कुद्रीमोती और पांच-सितारा शेफ से सोशल वर्कर बनकर गरीबों के नाम अपना जीवन समर्पित करने वाले नारायणन कृष्णन जैसे लोगों को एक सम्मान है। बदलाव और निस्वार्थ भावना का उनका असाधारण सफर बेहतर भारत के लिए नए-नए विचारों और साहसी विकल्पों को बढ़ावा देने के सिम्प्ली फ्रेश के मिशन से मेल खाता है। इस कैम्पेन को थोड़ी और धार देने के लिए बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद और अनूप सोनी को इस संदेश को मजबूती से आगे ले जाने के लिए शामिल किया गया है। अपने इंस्टाग्राम हैंडल्स के माध्यम से वे दर्शकों को नई सोच अपनाने और अपने-अपने समुदायों में परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित करने का काम कर रहे हैं। इस कैम्पेन के बारे में , किरण गिराडकर, सीएमओ, बीएन ग्रुप, का कहना है, रखो इरादे फ्रेश कैम्पेन में उस नई सोच और नए तरीकों की ताकत के बारे में बात की गई है जोकि सही मायने में विकास लेकर आते हैं। नीरजा और नारायणन की कहानियां हम सबको उस स्थिति को चुनौती देने और एक सार्थक प्रभाव लाने के लिए प्रेरित करती है। सिम्पली फ्रेश को उन नायकों और एक उज्जवल भविष्य के लिए उनके अटूट संकल्प का सम्मान करने पर बेहद गर्व है।

मैत्रीबोध परिवार द्वारा मैत्री महोत्सव का आयोजन

मुंबई। सामाजिक-आध्यात्मिक संगठन मैत्रीबोध परिवार 27 दिसंबर 2024 को कर्जत में 'मैत्री महोत्सवः वैश्विक मैत्री उत्सव' का आयोजन करेगा। यह महोत्सव दुनिया भर से हजारों लोगों को एकजुट करेगा, जो आध्यात्मिक सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध होंगे। 2019 में शुरू हुआ यह उत्सव हर साल 27 दिसंबर को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य आध्यात्मिकता, सामाजिक जिम्मेदारी और वैश्विक एकता को बढ़ावा देना है। इस साल के आयोजन में 'मैत्री आदर्श ग्राम' (ग्रामीण विकास के लिए पहल), 'अर्थ एम्ब्रेस' (पर्यावरण संरक्षण) और 'चिंता-मुक्त भारत' (मानसिक स्वास्थ्य के लिए पहल) जैसे प्रोजेक्ट्स को प्रस्तुत किया जाएगा। इस वर्ष महोत्सव का फोकस ग्रामीण भारत, पर्यावरण संरक्षण और समाज में आध्यात्मिकता का प्रसार करना है। इसमें कॉर्पोरेट्स, समुदाय और भक्त मिलकर सकारात्मक बदलाव लाने के लिए काम करेंगे। मैत्रेय दादाश्रीजी, जो मैत्रीबोध परिवार के संस्थापक और परिवर्तन के अग्रदूत हैं, का कहना है कि मैत्री महोत्सव प्रेम, जीवन और परिवर्तन का उत्सव है। यह दिन हमें एक-दूसरे से गहरा जुड़ाव महसूस करने, आध्यात्मिक नवीनीकरण में भाग लेने और शांति, सद्भाव और कल्याण के लिए मिलकर काम करने की प्रेरणा देता है। 'वैश्विक मैत्री उत्सव' के माध्यम से हम भारत को उसकी पूर्व गौरवशाली स्थिति में पुनर्स्थापित करने का सपना देखते हैं, एक ऐसा राष्ट्र जो सामाजिक, आर्थिक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त हो। महोत्सव में आध्यात्मिक प्रवचन, ध्यान सत्र, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और समाज के उत्थान के लिए प्रेरणादायक विचार साझा किए जाएंगे। दुनियाभर से आने वाले प्रतिभागियों को एक मंच पर विचारकों और साधकों से जुड़ने का मौका मिलेगा। अगर आप समाज और पर्यावरण के लिए कुछ करना चाहते हैं, तो यह उत्सव आपके लिए एक बेहतरीन अवसर हो सकता है।

विदेश में पढ़ाई के रुझान: बीते साल की झलक और 2025 की उम्मीदें

मुंबई। श्री मोहित गंभीर के शब्दों में बीते साल की यादें और 2025 पर एक नजर। श्री मोहित गंभीर ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल एज्युकेशन सर्विसेज के भारतीय प्रबंध निदेशक हैं। यह कंपनी दुनिया भर की सभी यूनिवर्सिटीज को और अधिक अंतरराष्ट्रीय छात्रों को आकर्षित करने में मदद के लिए उन्हें संसाधन एवं विशेषज्ञता प्रदान करती है। इस साल अध्ययन के अंतर्राष्ट्रीय जगहों जैसे कि कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और यूके में महत्वपूर्ण नीतिगत बदलाव हुए हैं। यह बदलाव सेक्टर में चुनौतियाँ और अनिश्चितताएं लेकर आए हैं। इनके बावजूद, उद्योग के साझीदारों ने जिस मजबूती और अनुकूलता का परिचय दिया है, इससे सुनिश्चित हुआ है कि विदेश में पढ़ने के इच्छुक विद्यार्थियों को अवसर मिलते रहें। कनाडा को प्रभावित कर रहीं वर्तमान भू-राजनैतिक चुनौतियों के बीच, विद्यार्थियों की पसंद में स्पष्ट रूप से एक बदलाव आया है। यूनाइटेड किंगडम उनका पसंदीदा गंतव्य बनकर उभर रहा है।

नंडोरे ग्राम पंचायत द्वारा मनाया गया पेसा दिवस

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के ग्राम पंचायत नंडोरे द्वारा मंगलवार 24 दिसंबर 2024 को पेसा दिवस मनाया गया। पेसा दिवस कार्यक्रम जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी चंद्रशेखर जगताप, गट विकास अधिकारी नरेंद्र रेवंडकर, सरपंच सोनल घोडके, पेसा अध्यक्ष सुरेंद्र सांबरे, अशोक जाधव, पंचायत समिति सदस्या सीमा पाटील की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुआ। पेसा दिवस के अवसर पर जन नायक बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया।

ज्ञात हो कि केन्द्र सरकार के पंचायत राज मंत्रालय द्वारा 24 दिसम्बर को पेसा दिवस के रूप में मनाये जाने हेतु दिये गये निदेर्शानुसार जिले के पेसा ग्राम पंचायत में मुख्य कार्यकारी अधिकारी के माध्यम से पेसा दिवस मनाने हेतु निर्देश दिया गया था। जिसके परिणाम स्वरूप जिले के पेसा ग्राम पंचायतों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। आदिवासियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और उनके अधिकार को अधिकार में बदलने के लिए पेसा कानून अस्तित्व में आया। इस मौके पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे ने बोलते

हुए कहा कि ग्राम सभा को अपने गांवों को विकसित करने या अन्य कार्यों को विनियमित करने या योजना बनाने के लिए अपने क्षेत्र में किए जाने वाले विकास कार्यों की पूरी तरह से योजना बनाने का अधिकार है, इसलिए अधिकतम लोगों को ग्राम सभा में भाग लेना चाहिए और अपने अधिकारों का प्रयोग करें। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कार्यक्रम में नंडोरे आश्रम विद्यालय के छात्रों के बड़ी संख्या में उपस्थित होने पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने यह भी अपील की कि भारत का भविष्य यही पीढ़ी है और आपके जीवन को स्वस्थ और खुशहाल बनाने के लिए आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि आपके क्षेत्र में प्राकृतिक चीजों के साथ भी ऐसा न हो। इस कार्यक्रम के दौरान गांव की शादियों में पारंपरिक गीत गाने वाली महिलाओं धवलेरी महिला, सुवासिन, सुइन ताई को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पेसा कार्यशाला का मार्गदर्शन करने वाले कुशल प्रशिक्षक अंबात सर को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का परिचय विस्तार अधिकारी विनोद पाटील ने दिया। इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सदस्य, ग्राम विस्तार अधिकारी, तहसील प्रबंधक पेसा सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं ग्रामीण मौजूद थे।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य से चित्रसेन सिंह ने लिया आशीर्वाद

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विश्व भर में सनातन धर्म की अलख जगाने वाले जगतगुरु रामभद्राचार्य ने आज कांदिवली पूर्व के ठाकुर विलेज स्थित विष्णु शिवम में अपने भक्तों को आशीर्वाद दिया।

भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष समाजसेवी चित्रसेन सिंह ने अपने सुपुत्र ओम विनायक गैस सर्विस के संचालक दीपक सिंह तथा वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार सिंह के साथ उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

जगतगुरु रामभद्राचार्य ने लोगों से धर्म की राह पर चलने और अपने बच्चों को संस्कारित बनाने की अपील करते हुए कहा कि सनातन से बड़ा कोई धर्म नहीं है।

चेंबूर का एम पश्चिम विभाग कार्यालय लोहे के खंभों के सहारे

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मनपा की ओर से पूरे साल भर सड़कों, स्कूलों पुलों, मनपा की इमारतों का निर्माण कार्य कराया जाता किंतु मनपा के निर्माण कार्यों पर सदैव ही प्रश्न चिन्ह लग जाता है। ठीक इसी तरह का मामला चेंबूर एम पश्चिम विभाग में देखने को मिल रहा। बता दें कि चेंबूर एम पश्चिम विभाग कार्यालय को एक स्ट्रक्चरल ऑडिट में खतरनाक दिखाया गया है। जिसके चलते पूरी इमारत को लोहे के खंभों का सहारा दिया गया है। बताया जाता है कि पांच वर्ष पूर्व पूर्वी उपनगर के उप मुख्य अभियंता कार्यालय के माध्यम से करोड़ों रुपये की लागत से इस भवन की मरम्मत व रंग-रोगन कराया गया था। मात्र पांच साल में ही उक्त इमारत खतरनाक दशा में कैसे पहुंच गई ? इस पर सवालिया निशान खड़ा हो गया है और इसके मरम्मत में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होने का आरोप

भी लग रहा है।

सूत्रों के अनुसार घन कचरा विभाग की ओर से एम वेस्ट कार्यालय की छत पर सोलर पैनल लगाया जाना था। उसके लिए बिल्डिंग का स्ट्रक्चरल ऑडिट कराया गया था। लेकिन इस ऑडिट में एक चौंकाने वाली बात सामने आई। मात्र पांच साल पहले ही पुनर्निर्मित की गई इमारत को सी2ए श्रेणी में खतरनाक घोषित किया गया था। ऐसे में यह बात सामने आई है कि जिस ठेकेदार ने पांच साल पहले मरम्मत का काम किया था, उसने घटिया दर्जे का काम किया है। इस इमारत के कार्य को टेंडर देने वाले पूर्व उपनगर उप प्रमुख अभियंता की कार्य शैली पर शंका निर्माण होने का आरोप सूचना अधिकार कार्यकर्ता मनोहर जरियाल ने लगाया है। एम पश्चिम विभाग कार्यालय की इमारत का मरम्मत और सौंदर्यीकरण अनेक बार कराया गया। लेकिन मरम्मत के बाद कुछ ही दिनों में जमीन और दीवारें उखड़ जाती हैं।

सूचना अधिकार कार्यकर्ता मनोहर जरियाल ने यह भी आरोप लगाया है कि संबंधित ठेकेदार, जिसने घटिया काम किया था, को पूर्व उपनगर इमारत परिरक्षण विभाग के अधिकारियों द्वारा विशेष मेहरबानी दी गई। सोलर पैनल लगाने के स्ट्रक्चरल ऑडिट में यह साफ हो गया कि इमारत सी 2अ कैटेगरी में है। इसलिए सुरक्षा उपाय किये गये।

सूचना अधिकार कार्यकर्ता मनोहर जरियाल ने यह भी मांग की है कि इमारत में लगाए गए लोहे के खंभे की पूरी कीमत उस ठेकेदार से वसूली जाए जिसने पहले इसकी मरम्मत की थी।

श्री सार्वजनिक रामलीला मंडल ने नमो नमो मोर्चा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष को किया सम्मानित

पालघर(उत्तरशक्ति)। श्री सार्वजनिक रामलीला मंडल पालघर की ओर से जिला मुख्यालय क्षेत्र अंतर्गत स्थित कांग्रेस भवन, कचहरी रोड, पालघर में आयोजित दस दिवसीय पालघर रामलीला कृष्ण लीला महोत्सव का बड़े धूमधाम और भव्यता के साथ संपन्न हो गया। समापन से पूर्व नौवें दिवस मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम को अनुज लक्ष्मण और पत्नी सीता संग परमधाम अयोध्या आगमन के चरितार्थ रामलीला के जीवंत सचित्र वर्णन का दिव्य दर्शन गणमान्यों द्वारा किया गया।

पालघर रामलीला कृष्ण लीला महोत्सव में सम्माननीय अतिथियों में भाजपा जिला सचिव व नमो नमो

मोर्चा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यप्रकाश सिंह सहित अनेक गणमान्य लोगों ने श्री राम दरबार के अदभुत झांकी का दर्शन करते हुए आरती की।इस दौरान पालघर रामलीला कृष्ण लीला महोत्सव कमेटी की ओर से सभी अतिथियों को शाल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ तथा देवी देवताओं की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने हंडेवाडी में नए बैंकिंग आउटलेट के साथ मजबूत की अपनी स्थिति

नवी मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (उत्कर्ष एसएफबीएल) को हंडेवाडी-पुणे, महाराष्ट्र में अपने नए बैंकिंग आउटलेट के उद्घाटन की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह विस्तार वित्तीय समावेशन को बढ़ाने और हंडेवाडी-पुणे, महाराष्ट्र के निवासियों को आवश्यक बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए बैंक की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इस लॉन्च के साथ, बैंक के देशभर में 1015 और महाराष्ट्र राज्य में 80 बैंकिंग आउटलेट हो गए हैं। विस्तार पर टिप्पणी करते हुए उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री गोविंद सिंह ने कहा,

हांदेवाड़ी में हमारा नया बैंकिंग आउटलेट महाराष्ट्र में हमारे नेटवर्क को मजबूत करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। अपने समृद्ध इतिहास और मजबूत सामुदायिक संबंधों के लिए जाना जाने वाला हंडेवाडी पुणे का एक अभिन्न अंग है। यह क्षेत्र अपने ऐतिहासिक स्थलों जैसे शांत आगा खान पैलेस, जो भारत के स्वतंत्रता संग्राम में ऐतिहासिक महत्व का स्थल है, और जीवंत कोरेगांव पार्क, जो अपनी सांस्कृतिक समृद्धि और सामुदायिक भावना के लिए जाना जाता है, के लिए प्रसिद्ध है। इस आउटलेट का उद्घाटन हांदेवाड़ी की गतिशील और तेजी से बढ़ती आबादी का समर्थन करने और शहर में विकास को बढ़ावा देने की हमारी यात्रा में एक कदम आगे है।

वॉकहार्ट हॉस्पिटल ने अपनी बी अ सैंटा पहल के जरिए जरूरतमंदों के बीच क्रिसमस का आनंद और उत्साह जगाया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। क्रिसमस की भावना को जीते हुए और अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए वॉकहार्ट हॉस्पिटल ने बी अ सैंटा पहल के जरिए त्योहार की खुशी और उल्लास को जरूरतमंदों के बीच ले जाने का काम किया। यह पहल दूसरों की जिंदगी में खुशी लाने और जरूरतमंदों की भलाई से जुड़ी थी। इस पहल के दौरान कई कम्यूनिटी के लोगों से जुड़ा गया और जिन तक त्योहार की गरमाहट और उल्लास को ले जाने की सबसे ज्यादा जरूरत है उनके जीवन में जगमगाहट और उल्लास जगाने का काम किया गया।

वॉकहार्ट हॉस्पिटल की टीम सलवेशन आर्मी गई। यह वृद्धाश्रम, मानसिक रूप से अक्षम बच्चों का अनाथालय और आदिवासी एनजीओ है। हॉस्पिटल की टीम ने यहां उन लोगों को कपड़े, गिफ्ट और खाने-पीने का सामान भेंट किया जो किसी त्योहार को मनाने के लिए इन चीजों का इंतजाम नहीं कर पाते हैं। इस काम से खुशी और ऊष्मा दोनों ही जुड़ी थीं। इस पूरे आयोजन में केक कटिंग की गई, प्रार्थना गाई गई और साथ मिलकर खुशी के वातावरण में इस पूरे दिन को मनाया गया। वॉकहार्ट हॉस्पिटल्स की मैनेजिंग डाइरेक्टर जहाबिया खोराकीवाला ने इस पहल के बारे में कहा, वॉकहार्ट हॉस्पिटल में हमारा

मानना है कि करुणा और दूसरों के प्रति अपनत्व दिखाना ही त्योहार का असल मकसद है और क्रिसमस जैसे पर्व के समय तो इन बातों का महत्व और भी बढ़ जाता है। हमारी बी अ सैंटा पहल हमें उन लोगों से जुड़ने का मौका देती है जिनकी तरफ आम तौर पर ध्यान नहीं जाता है। यह पर्व साल के इस समय हमें याद दिलाने के लिए भी आता है कि हमें दूसरों को भी कुछ देना चाहिए और उनका भला करना चाहिए। जरूरी चीजें बांटने के अलावा इस उत्सवी आयोजन में नाश्ता, भोजन और कई तरह की रोचक गतिविधियों का इंतजाम भी था, ताकि यह बिलकुल किसी त्योहार की तरह लगे। इस आयोजन का मकसद यह बताना भी था कि हमें कितना कुछ मिला हुआ है, साथ ही कम्यूनिटी की भावना लाना और हर किसी को शामिल करके उत्सव को सच्चे अर्थ में मनाने का संदेश देना भी था।

वॉकहार्ट हॉस्पिटल के सेंटर हेड डॉ. वीरेंद्र चौहान ने कहा, हमें इस बात पर बहुत फख्र है कि हम बेहतर तरीके से समाज को कुछ लौटा पा रहे हैं। क्रिसमस का मतलब ही प्यार और खुशियां बांटना है और जरूरतमंदों की तरफ मदद का हाथ बढ़ाकर हमें उम्मीद है कि हमने उनकी जिंदगी में रोशनी की किरण ले जाने का काम किया है। यह उन कई अभियानों और पहल में से एक है जो हम जरूरतमंदों की मदद के लिए चलाते या करते हैं और आगे भी लगातार चलाते और करते रहेंगे।

वॉकहार्ट हॉस्पिटल पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाता है और बी अ सैंटा जैसी पहल, हॉस्पिटल और कम्यूनिटी के बीच के रिश्ते को मजबूत बनाने का काम करती हैं। इस तरह की पहल से जरूरतमंद लोगों की जिंदगी पर सकारात्मक असर पड़ता है।

विज्ञान प्रदर्शनी में रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज को मिली सराहनीय सफलता

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए अन्ना साहिब जाधव स्कूल में तहसील स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस 52वीं विज्ञान प्रदर्शनी में विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों की 130 प्रोजेक्ट का प्रदर्शन किया गया था। रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के हायर सेकेंडरी सेक्शन से अंसारी फरहान मुहम्मद जुनैद और खान आसिफ अब्दुल कय्यूम के प्रोजेक्ट को तीसरे पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इन दोनों छात्रों ने अंसारी सुमैया अनीस अहमद के मार्गदर्शन में यह प्रोजेक्ट प्रस्तुत किया। इसके अलावा इसी कालेज की लैब अटेंडेंट मोमिन मंतशा ने पहला पुरस्कार जीता। विद्यार्थियों के इस शानदार सफलता पर केएमई सोसाइटी के अध्यक्ष अल्माज फकीह, उपाध्यक्ष एडवोकेट यासीन मोमिन, सचिव दानियाल काजी, कोषाध्यक्ष फहद बुबेरे, रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के चेयरमैन यासर तातली, प्रिंसिपल जियाउर रहमान अंसारी, वाइस प्रिंसिपल आमिर सिद्दीकी, सहायक मुख्यध्यापक मुख्लिस मदू, सुपरवाइजर्स असरार पठान सिब्तैन कशेलकर, वाईसीएमओयू समन्वयक अब्दुल अजीज अंसारी और समस्त स्टॉफ सदस्यों ने पुरस्कार विजेताओं और मार्गदर्शक शिक्षकों को बधाई दी है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

पंखे के चूल्ले से लटक कर युवक ने की आत्महत्या

रियाजुल हक क्राइम रिपोर्टर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद कस्बे के नासही मोहल्ले में बीती रात एक 35 वर्षीय युवक ने अपने कमरे में लगे पंखे के चूल्ले से दुपट्टे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार कस्बे के नासही मोहल्ले निवासी मनोज कुमार सोनी उर्फ बबलू पुत्र स्व .ओमप्रकाश सेठ सोमवार की रात खाना खाकर अपने कमरे में सोने चला गया। सुबह उसकी छोटी बहन पूजा जब उसे चाय देने के लिए जगाने गई तो दरवाजा अंदर से बंद था। बाहर से आवाज लगाने पर दरवाजा नहीं खुला तो उसने अपनी मां उषा देवी और अपने भाई दुर्गेश सेठ को इसकी सूचना दी। जोर-जोर से दरवाजा पीटने के बाद भी जब दरवाजा अंदर से नहीं खुला, इतने में पास पड़ोस के लोग भी आ गए। पड़ोसियों के पहुंचने पर आशंका बस दरवाजे को धक्का देकर खोला गया तो देखा कि मनोज का शव पंखे के चूल्ले के सहारे दुपट्टे से लटक रहा था तब तक पुलिस भी पहुंच चुकी थी, जांच पड़ताल के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अभी तीन दिन पहले ही युवक अपनी पत्नी मान्यता वर्मा को छोड़ने शाहगंज अपनी ससुराल गया था और सोमवार की शाम ही ससुराल से लौटा था। मृतक के तीन बच्चे है। परिजनों का रोते बिलखते बुरा हाल है। प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश यादव का कहना है कि मृतक के छोटे भाई दुर्गेश से तहरीर लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

स्व.सभाजीत शुक्ला 'एडवोकेट' की स्मृति में हुआ नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जगत जननी जय माँ पिङ्गासिन देवी मन्दिर, पुरेसवाँ मानिकपुर जौनपुर में किया गया। हर वर्ष की भलीभांति इस वर्ष भी स्व.सभाजीत शुक्ला 'एडवोकेट' की स्मृति में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में रोगी अपना इलाज व चेकअप कराने आये।सभी का शिविर में चेकअप किया गया निःशुल्क, और दवाओं वितरण किया गया और रोगों के उपचार के बारे में बताया गया ताकि भविष्य में बड़े जटिल रोगों से कैसे बचा जाए।

पूर्वांचल के मात्र सुपरस्पेलिस्ट नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर जयेश सिंह, डॉक्टर स्पृहा सिंह, डॉक्टर शिखा शुक्ला, डॉक्टर सतीश यादव, डॉक्टर वेंकटेश श्रीवास्तव, डॉक्टर देवेंद्र प्रताप सिंह, डॉक्टर ज्ञानेश गुप्ता, डॉक्टर प्रदीप मौर्या, डॉक्टर राहुल श्रीवास्तव, आदि उपलब्ध रहे जहां पर ब्लड शुगर जांच, हृदय की जांच, हड्डी की मजबूती की जांच, (बीएमडी), फेफड़ों की मजबूती की जांच, डीएफटी एवं दवा वितरण निःशुल्क किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि रहे जगदीश सोनकर (पूर्व मंत्री उ.प्र. सरकार) अध्यक्षता रामविलासपाल (भाजपा जिलाध्यक्ष मछलीशहर) विशिष्ट अतिथि सुशील उपाध्याय (पूर्व जिला अध्यक्ष जौनपुर) विशिष्ट अतिथि ब्रम्हदेव तिवारी (वरिष्ठ भाजपा नेता) संतोष मिश्रा (मंडल प्रभारी) राकेश शुक्ला (जिला उपाध्यक्ष) के के दुबे (पूर्व मंडल अध्यक्ष) हरिश्चंद्र मौर्य (पूर्व मंडल अध्यक्ष) प०राजकृष्ण शर्मा (पूर्व मंडल अध्यक्ष) आप सभी का स्वागत करने का अवसर मिला,पन्ना लाल शुक्ला एवं अतिविशिष्ट जन ग्रामवासी व क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। संचालन मुकेश सिंह बिसेन मंडल महामंत्री बरसठी ने किया। आप सभी को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। आयोजक आशीष शुक्ला, अलंकार (पुरेसवाँ मानिकपुर जौनपुर, डायरेक्टर- विज्ञा पैरामेडिकल एकेडमी, जौनपुर रहे।

अधिशासी अभियंता और कार्यकारी सहायक का मामला पहुंचा विधायक दरबार

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील स्थित डाकबंगले में आयोजित विधायक रमेश सिंह के जन सुनवाई कार्यक्रम में मंगलवार को विद्युत विभाग का भी मामला पहुंच गया। जहां सहायक कार्यकारी(लिपिक) जय प्रकाश यादव ने विधायक को प्रार्थना पत्र देकर स्थानीय उपखण्ड विद्युत विभाग में भ्ष्टाचार और मारपीट का आरोप लगाते हुए सुरक्षा की गुहार लगाई। वहीं अधिशासी अभियन्ता संतोष कुमार मिश्रा ने भी आरोप लगाया की लगभग छह माह पूर्व मऊ से स्थान्तरित होकर यहां आएं हैं। अधिशासी अभियंता ने आरोप लगाया की सहायक कार्यकारी को किसी चीज की जानकारी नही है। उल्टा सीधा बिल बनाना और गलत संसोधन करना इनका काम है। समझाने पर मारपीट पर उतारू हो जाते हैं।और ये मानसिक रूप से बीमार हैं। बतातें चले की कार्यकारी सहायक जय प्रकाश यादव जून महीने में मऊ से स्थानांतरित होकर स्थानीय उप खण्ड कार्यालय में आए हैं। वर्तमान समय में विभाग में एकमुश्त जमा योजना के तहत उपभोक्ताओं का जमावड़ा लग रहा है। बाबू जय प्रकाश यादव कार्यालय के बाहर परिसर में अपनी कुर्सी टेबल लगाकर लोगों के बिल आदि देख रहा थे।

एक पक्ष ने लगाया भ्रष्टाचार का आरोप तो दूसरे ने कहा मानसिक रूप से हैं बीमार

बाहर भारी भीड़ देख परिसर में ही स्थित कार्यालय से अधिशासी अभियंता संतोष कुमार मिश्रा उप खण्ड कार्यालय पहुंचकर एसडीओ धर्मेंद्र कुमार से बातचीत करने लगे, इसी बीच किसी बात को लेकर अधिशासी अभियंता बाबू के पास पहुंचे कुछ ही पल में बाबू अधिकारी पर आग-बबूला होकर गाली गलौज होने लगा। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी रही। बाबू जय प्रकाश यादव ने आरोप लगाया था।कि अधिशासी अभियंता अपनी आईडी का दुरुपयोग करके चार महीने की तैनाती में चार से पांच करोड़ रुपए का सरकार को नुकसान पहुंचाते हुए भारी रिश्वत ली है। यहां उपभोक्ताओं का शोषण किया जा रहा है। वहीं मामले में अधिशासी अभियंता संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि कार्यकारी सहायक जय प्रकाश यादव मानसिक रूप से बीमार है। उसका उपचार भी चल रहा है। मऊ में रहते हुए भी काफी अनर्गल कार्य में लिप्त रहा है।वही काम यहां भी करके उपभोक्ताओं को विभाग और अधिकारी के खिलाफ भड़का रहा है। मामले की जानकारी से उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया है। जन सुनवाई के दौरान उपजिलाधिकारी राजेश कुमार चौरसिया, नायब तहसीलदार आशीष सिंह, अधिशाषी अभियंता राजेश कुमार मिश्रा, आदि सरकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

देश अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान को भूल नहीं सकता: पुष्पराज सिंह

सुशासन दिवस के रूप में भाजपा मनाएगी 100वीं जयंती

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती के शताब्दी समारोह को भाजपा 'सुशासन दिवस' के रूप में एक साल तक मनाएगी। यह कार्यक्रम जिला से लेकर मंडल स्तर तक आयोजित होंगे। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि देश अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान को भूल नहीं सकता इस बार उनकी 100वीं जयंती है।जिसे हम सभी शताब्दी वर्ष के रूप में मनाएंगे भाजपा इसे सुशासन दिवस के रूप में मनाएगी। उन्होंने आगे कहा कि शताब्दी समारोह की शुरूआत 25 दिसंबर से होगी इस दिन स्मृति सभा का आयोजन किया जाएगा। जिसमें अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर माल्यार्पण कर

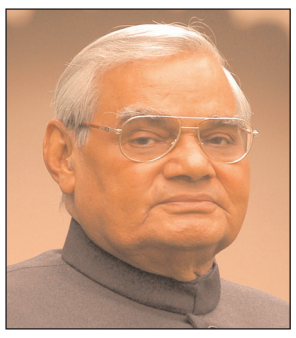

उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी युवा प्रतिभागी कविताओं का वाचन करेंगे साथ ही उनके योगदानों पर चर्चा कर पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता जिन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी के साथ काम किया है। उनके कार्यकाल के समय सक्रिय रहे हैं उन्हें सम्मानित किया जाएगा।यह कार्यक्रम मंडल स्तर पर भी आयोजित होगा। जिसमें प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत निर्मित किसी सड़क पर भाजपा के झंडे और तख्ती लेकर एक दो किलोमीटर कि सुशासन यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा के बाद चौपाल लगाकर अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार और मोदी सरकार की किसान कल्याण उपलब्धि व योजनाओं के साथ-साथ विकास कार्यों से क्षेत्र में आए सुधार पर चर्चा की जाएगी और जिला स्तर पर प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

डॉक्टरों, मेडिकल स्टाफ की अथक मेहनत और बेहतर सेवा का परिणाम है प्रदेश में सातवां स्थान: डॉ.हरेंद्र सिंह

जल्द ही प्रथम स्थान पर होगा शाहगंज का सामुदायिक स्वास्थ केंद्र : डॉ.रफीक फारूकी

शिवकुमार प्रजापति

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अस्पताल एक ऐसी जगह है जहां मरीज दुनियां की सबसे बड़ी उम्मीद जान बचाने की आस लेकर आता है। इसीलिए डॉक्टरों का धरती का भगवान कहा जाता है। उक्त बातें जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डाक्टर हरेंद्र सिंह ने मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ केंद्र में आयोजित कायाकल्प योजना में जिले में प्रथम और परदेस में तीसरा स्थान आने पर आयोजित सम्मान समारोह में उपस्थित डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफों को सम्बोधित करते हुए कहीं। श्री सिंह ने आगे कहा की मरीजों के अनुकूल वातावरण, साफ सफाई और बेहतर व्यहार के साथ बेहतर इलाज ही मरीज को ठीक होने में अहम योगदान देते हैं। वहीं अधीक्षक डाक्टर रफीक फारूकी ने कहा की सामुदायिक स्वास्थ केंद्र पर हर सुविधा उपलब्ध जो एक सामुदायिक स्वास्थ केंद्र में होनी चाहिए।अस्पताल को जिले में प्रथम और प्रदेश में सातवां स्थान लाना बड़ी उपलब्धि है जिससे हमें अपने डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ पर गर्व है।और जल्द ही प्रदेश सरकार की कायाकल्प योजना कार्यक्रम में शाहगंज सामुदायिक स्वास्थ केंद्र को प्रदेश में प्रथम स्थान लाएंगे। उक्त अवसर पर डीपीएम सत्यव्रत त्रिपाठी, जिला कायाकल्प नोडल अधिकारी डाक्टर क्षितिज पाठक, जिला समन्यवक नीरज सिंह, डाक्टर आरबी यादव, डाक्टर आरके वर्मा, डाक्टर आकांक्षा सिंह, डाक्टर अभिषेक रावत, डाक्टर राकेश यादव, डाक्टर हरिओम मौर्य, डाक्टर जमालुद्दीन, डाक्टर आशीष यादव,ग्रीस यादव, मो.बिस्मिल्ला जे पी पांडेय आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

◆ कायाकल्प कार्यक्रम में जिले में प्रथम और प्रदेश में तीसरा स्थान आने पर सम्मान समारोह आयोजित

अहमदी मेमोरियल, शिफा हॉस्पिटल द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का मानीकलां में हुआ आयोजन

आफताब आलम

मानीकलां जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अहमदी मेमोरियल, शिफा हॉस्पिटल के द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कस्बा मानीकलां में मंगलवार को किया गया शिविर में आए मरीजों का

चिकित्सकों द्वारा निशुल्क चेकझअप व मुफ्त इलाज किया गया। अस्पताल में सुबह आठ बजे चिकित्सकों की टीम स्वास्थ्य शिविर में पहुंचे यहां पर मरीजों का सबसे पहले चिकित्सकों ने निःशुल्क जांच शुरू किया जांच के दौरान आए मरीजों का शुगर ब्लड प्रेशर हार्ड थायोराइड आदि का चेकअप किया गया इसके बाद मरीजों को

चिकित्सकों ने निःशुल्क दवाओं का भी वितरण किया शाम 4 बजे तक चले स्वास्थ्य शिविर में हजारों की संख्या में आए मरीजों के स्वास्थ्य की जांच व दवाओं का वितरण किया गया शिविर में जनपद के जाने माने डॉक्टर मोहम्मद चांद बागबान ट्इइर उठट (टऊ) व डॉक्टर सना अब्दुल्लाह स्त्री एवं प्रसूतिरोग विशेषज्ञ डॉक्टर मोहम्मद अकमल जरनल फिजिशियन, समेत अस्पताल के सभी स्वस्थ कर्मी मौजूद रहे। आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों का ताता लगा रहा, जैसे, मानी कलां कस्बा, मानी खुर्द, बरंगी, लखमापुर, भदैनी, सोगर, मवाई, कयार, भदेठी, ग्यासपुर नोनारी, संदहा, बगल के जनपद भादो आदि गग्रामीण क्षेत्र के रोगी उपचार के लिए आए हुए थे।

जौनपुर क्रिसमस के लिए सज गया बाजार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 25 दिसंबर को क्रिसमस को लेकर चर्च से लेकर स्कूल और विभिन्न बाजारो में रौनक दिखने लगी है। दुकानें सांताक्लाज, क्रिसमस ट्री, स्टार

और विभिन्न प्रकार के तोहफों से सज गई हैं। नगर के मुख्य बाजार जैसे ओलंदगंज, सब्जी मंडी, अल्फस्टीनगंज आदि में क्रिसमस के लिए आकर्षक गिफ्ट व सामान से दुकानें सज गई हैं। बच्चों ने भी खरीदारी शुरू कर दी है। वहीं कई स्कूलों में भी इस बार कार्यक्रम की तैयारियां शुरू हो गई हैं। क्रिसमस ट्री और इसके अलावा सांता क्लॉज की ड्रेस, टोपी, बॉल्स, स्टार्स, सांता क्लॉज के खिलौने, क्रिसमस पेंसिल, सांता का चश्मा, सजावट के लिए कैंडी और छड़ी और इसके अलावा प्रभु यीशु के जन्म की आकर्षक तस्वीरें, ग्रीटिंग काडर्स भी उपलब्ध हैं। उमरपुर रूहट्टा स्थित एक दुकान के संचालक ने बताया कि बच्चों में सेंटा कैप, छोटे व बड़े क्रिसमस ट्री, स्टार, जिगल बेल आदि की अधिक मांग है। वहीं सजावटी सामान और झालर भी बिक रही हैं। दूसरी ओर इस बार कई स्कूलों ने भी अपने यहां क्रिसमस पर कार्यक्रम करने की तैयारी की है। वही विद्यालय के अध्यापक एवं अध्यापिका द्वारा बच्चों को संता क्लॉज, क्रिसमस ट्री क्राफ्ट पेपर, चमकीली पेपर, रूई व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों द्वारा सिखाने का कार्य किया जा रहा है।

शर्मनाक: बाबा के प्रदेश में शौचालय में रहता है गरीब परिवार

सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटकर थक चुकी है विधवा महिला ◆ अंत्योदय कार्ड की जगह बनाया गया है पात्र गृहस्थी कार्ड

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। देश में विकास की गंगा बह रही है। लोग सरकार की तरफ से दी जा रही तमाम योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। ऐसे में एक ऐसी तस्वीर सामने आई है जिसे देखकर आपको बेहद अफसोस होगा। आप यह सोचने पर मजबूर हो जाएंगे कि आखिर विकास की गंगा किस ओर बह रही है जब सही और पात्र लोगों तक योजनाएं पहुंच ही नहीं है। क्या यह बस एक छलावा है जो केवल कागजों तक ही सीमित है? क्या आप शौचालय में रहने वाले किसी परिवार की कल्पना कर सकते हैं? यह सुनकर ताज्जुब हो रहा होगा, मगर यह आजाद भारत का कड़वा सच है। इस परिवार की दुर्दशा देखकर एक बार शायद आपको भी दया आ जाएगी। केराकत तहसील क्षेत्र के सेनापुर ग्रामसभा के दाऊदपुर पुरवे की रहने वाली गीता देवी 50 वर्ष पत्नी रामाश्रय यादव जो अपने नाबालिक पुत्र रितेश यादव के साथ शौचालय में रहती हैं। परिवार की माली हालत काफी खराब है। गरीबी और रहने के

लिए जगह के अभाव ने इस परिवार को शौचालय में ही गुजारा करने को मजबूर कर दिया है। चाहे भीषण ठण्ड हो या भीषण बारिश, शौचालय ही पनाहगार है और पेड़ ही उसकी छत। यह परिवार लगभग 10 वर्षों से यहां अपना जीवन बसर कर रहा है। गीता देवी ने बताया कि पति का निधन हुए 14 वर्ष हो गए हैं। पहले हम लोग मिट्टी के बने घर में रहती थे लेकिन बारिश के कारण उनका पूरा घर ध्वस्त हो गया। जिसके बाद परिवार के पास रहने के लिए कोई जगह नहीं थी। थक-हारकर गरीब परिवार ने सरकारी शौचालय में रहने का रास्ता चुना। इस शौचालय में पूरे परिवार के लिए गृहस्थी का सारा सामना रखा जाता है खुले आसमान के नीचे खाना पकाती है और खाती है। फिर वहीं बगल में दो चारपाई के बीच में सो जाती है। शौचालय व राशन कार्ड के अलावा इस गरीब परिवार को किसी भी सरकारी योजना का लाभ नहीं मिला है।

विडंबना तो देखिए कि इस परिवार को अंत्योदय कार्ड जरूरत है मगर पात्र गृहस्थी कार्ड बनवाया गया है। जिस पर प्रति यूनिट पांच किलो राशन मिलता है। परिवार में दो सदस्य है और राशन कार्ड पर केवल एक ही सदस्य का नाम है। जरा सोचिए क्या पांच किलो राशन से महीने भर का भरण पोषण हो सकता है? हालांकि गीता देवी का पुत्र इस समय शहर में रह रहा है लेकिन असल में उन्हें राशन कार्ड से ज्यादा सरकारी आवास की जरूरत है।

छात्र छात्राओं ने विज्ञान प्रदर्शनी में पेश किए बेहतरीन मॉडल

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सीएसडी इंटरनेशनल स्कूल में मंगलवार को विज्ञान प्रदर्शनी व पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सम्मान पत्र पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे।

विज्ञान प्रदर्शनी में स्मार्ट सिटी व प्राकृतिक खेती मॉडल आकर्षण का केंद्र रहा। प्रदर्शनी का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधक सुषमा कुशवाहा ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती पूजन एवं फीता काटकर किया। प्रदर्शन कक्षा एक से लेकर कक्षा 12 तक की छात्र छात्राओं ने भाग लिया। प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं में शिवांश प्रताप, तन्मय पांडे, वंश सिंह, आर्यन, अनन्या, सुधांशु, समृद्धि, कृति, अंश शुक्ला, आयुष, अवनीश यादव, गौरविका, आरना, अथर सिंह, अनुष्का, स्पर्श, रागिनी सिंह, साक्षी तिवारी, धनलक्ष्मी, अन्य सिंह, अभिनंदन व हर्ष ने प्राकृतिक आपदा, मानव संरचना, यूरोपियन ट्रेडर्स, न्याय प्रणाली पद्धति, पवन चक्की, बेस्ट मैनेजमेंट, शहर वह गांव आधुनिक विकास मॉडल, एयरपोर्ट, वायु प्रदूषण नियंत्रण, प्राकृतिक खेती मॉडल, ज्वालामुखी, डिजिटल इंडिया, प्रदूषण रहित स्मार्ट सिटी, भारत की अर्थ-व्यवस्था, सौरमंडल जल व ऊर्जा संरक्षण,अंतरिक्ष व पाचन तंत्र आदि मॉडल पेश किया। कक्षा 12 की छात्राओं द्वारा स्मार्ट सिटी व प्राकृतिक खेती विकास मॉडल आकर्षण का केंद्र बना रहा। मुख्य अतिथि एसपी ग्रामीण शैलेंद्र सिंह ने छात्र-छात्राओं के मॉडल की सराहना की। उन्होंने छात्रों को लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत से आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। बेहतर आकर्षण मॉडल बनाने वाले छात्रों को प्रबंधक सुषमा कुशवाहा ने सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रबंधक सुषमा कुशवाहा, प्रधानाचार्य धनंजय दुबे, अंकित जायसवाल, काजल मौर्य, वर्षा मिश्रा, सुशील पांडे, अजय पटेल, धर्मराज दुबे, अविनाश गौड़, अमन यादव, रितिका गुप्ता व राधा मोदनवाल आदि लोग मौजूद रहे।

नवागत एसपी डॉ.कौस्तुभ ने मां शीतला चौकियां धाम में किया दर्शन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के नवागत एसपी डॉ. कौस्तुभ ने मां शीतला चौकिया धाम में दोपहर में पहुंचकर माता रानी का दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

वहीं नवागत एसपी डॉ. कौस्तुभ के बाद जिले के निवर्तमान पुलिस अधीक्षक डॉ. अजय पाल शर्मा ने भी यहां से जाने से पहले माता रानी का आशीर्वाद लिया। गौरतलब हो कि डॉ. अजय पाल शर्मा का तबादला प्रयागराज के लिए कर दिया गया है। नवागत एसपी डॉ. कौस्तुभ इसके पूर्व अम्बेडकर में बतौर एसपी के पद पर थे। वहां पर उन्होंने इतना अच्छा कार्य किया जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। अम्बेडकरनगर के मातहतों ने उनकी भव्य विदाई की। इस मौके पर शीतला चौकियां धाम में महंत विवेकानंद पंडा, चंद्रदेव पंडा, अरूण कुमार उर्फ टप्पू पंडा ने दोनों अधिकारियों को माता रानी का दर्शन कराया।

वाराणसी जिला अस्पताल के डॉक्टरों व पैरामेडिकल स्टाफ ने सीएमएस के खिलाफ खोला मोर्चा

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी जिला अस्पताल में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ ने सीएमएस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को डॉक्टरों ने जिलाधिकारी, अपर निदेशक स्वास्थ्य और सीएमओ से मिलकर मांग पत्र सौंपा। जिस पर 40 डॉक्टरों और 20 से ज्यादा पैरामेडिकल स्टाफ के हस्ताक्षर भी हैं। जबरन कारण बताओ नोटिस देने का आरोप अपने शिकायतीपत्र में डॉक्टरों ने मनमाने तरीके से अस्पताल में ड्यूटी लगाने, कागज पर डॉक्टरों को नोडल बनाकर खुद ही काम करने का आरोप सीएमएस पर लगाया है। जबरन कारण बताओ नोटिस देने और आए दिन मरीजों और तीमारदारों से

दुर्व्यवहार सहित कई अन्य आरोप भी लगाए हैं।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य से चित्रसेन सिंह ने लिया आशीर्वाद

मुंबई। विश्व भर में सनातन धर्म की अलख जगाने वाले जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने आज कादिवली पूर्व के ठाकुर विलेज स्थित विष्णु शिवम में अपने भक्तों को आशीर्वाद दिया। भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष समाजसेवी चित्रसेन सिंह ने अपने सुपुत्र ओम विनायक गैस सर्विस के संचालक दीपक सिंह तथा वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार सिंह के साथ उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने लोगों से धर्म की राह पर चलने और अपने बच्चों को संस्कारित बनाने की अपील करते हुए कहा कि सनातन से बड़ा कोई धर्म नहीं है।

भारत में अग्नाशय के कैंसर की बढ़ती घटनाएं, प्रारंभिक पहचान क्यों महत्वपूर्ण है?

पुणे। भारत में अग्नाशय के कैंसर के मामलों में वृद्धि हो रही है, और विशेषज्ञ इसके बारे में चेतावनी दे रहे हैं। हर साल मामलों की बढ़ती संख्या के साथ, अधिक जागरूकता की तत्काल आवश्यकता है। दुर्भाग्य से, अधिकांश रोगियों को उन्नत चरणों में ही निदान मिलता है, जिससे उपचार अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाता है और जीवित रहने की दर कम हो जाती है। ह्हमारे पास अग्नाशय के कैंसर के लगभग 80% मामले उन्नत चरण में निदान होते हैं, कहते हैं डॉ. एबीसी, एक ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञ। जब तक रोगी हमारे पास आते हैं, तब तक रोग अक्सर फैल चुका होता है, जिससे उपचार विकल्प सीमित हो जाते हैं। अग्नाशय के कैंसर के साथ एक प्रमुख चुनौती उसकी ह्मूक प्रकृति है। अन्य कैंसरों के विपरीत, यह शायद ही कभी स्पष्ट प्रारंभिक लक्षणों के साथ प्रकट होता है। इसके बजाय, लक्षण अक्सर अस्पष्ट होते हैं और आम समस्याओं के रूप में गलत समझे जा सकते हैं, जिससे निदान में देरी होती है जब तक कि कैंसर अधिक उन्नत न हो जाए। लक्षण हल्के हो सकते हैं, जैसे पेट में असुविधा या पीठ दर्द, और अक्सर इन्हें नजरअंदाज कर दिया जाता है। अग्नाशय के कैंसर को अक्सर 'मूक रोग' कहा जाता है क्योंकि इसके प्रारंभिक लक्षण बहुत ही सूक्ष्म होते हैं,ह डॉ. एबीसी समझाते हैं। ह्अधिकांश रोगी यह महसूस नहीं करते कि कुछ गलत है जब तक कि रोग काफी आगे नहीं बढ़ जाता। अग्नाशय के कैंसर के संकेतों में लगातार पेट या पीठ दर्द, बिना कारण वजन घटना, त्वचा या आंखों का पीला होना, भूख न लगना, और खासकर भोजन के बाद मतली शामिल हो सकते हैं। जबकि ये लक्षण विशेष रूप से अग्नाशय के कैंसर के नहीं होते, उनकी स्थिरता परामर्श की मांग करती है, विशेषकर उन लोगों के लिए जो उच्च जोखिम में हैं।

स्नेहा दुबे पंडित ने कोली समुदाय के लंबित मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया

मुंबई। स्नेहा दुबे पंडित विधायक पद पर निर्वाचित होने के बाद, सदस्य के रूप में पहली विधान सभा के शीतकालीन सत्र में, वसई निर्वाचन क्षेत्र में कोली समुदाय के लंबित मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया। इसके लिए पाचू बंदर, किला बंदर और अर्नाला कोलीवाड़ा के भाइयों और बहनों ने वसई स्थित स्नेहा दुबे के निवास पर जाकर मुझे धन्यवाद दिया। इस अवसर पर भाजपा वसई मछुआरा प्रकोष्ठ के संयोजक अवि सुरेश चावंडे, अर्नाला कोलीवाड़ा मछुआरा बोर्ड के अध्यक्ष जयराज डवलेकर, युवा मोर्चा के सह-संयोजक नयन जगन बैंकोल, सह-सम्पर्क सचिव आत्माराम भास्कर देवखाद्य, भूषण काशीनाथ पवा, काशीनाथ मथुरेकर, केतक आनंद गोमा,रोहन डाडाको, आनंद गोमा, सुरेश किसन चावंडे, भारत भाना, मछुआरा सेल महिला कार्यकर्ता भारती भाना, देवता खुबल्या, योशु भाना, लक्ष्मी गोमा, शकुंतला खाद्या, इंदु पुती, ज्योत्सना भाना, अनुसया खाद्या, कमला खुबल्या, माधुरी दवेने, दीपा सुरेश चावंडे, सुवर्णा आनंद गोमा, ऐश्वर्या बैंकोल, श्राविका गव्या, आकांक्षा पूती, युवा कार्यकर्ता साई पाटिल, जयेंद्र म्होरक्या, मदन देवखड्या, जयेश खिलकुट्टी उपस्थित कार्यकर्ता प्रशंसक ने मुलाकात किया।

निकिता सिंघानिया नहीं, इस शख्स को पैसे भेजता था अतुल सुभाष

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। फैमिली कोर्ट में किया था ये दावा, अतुल सिंघानिया केस में जौनपुर फैमिली कोर्ट का एक और दस्तावेज सामने आया है। इसमें आरजे सिद्दीकी नाम के शख्स का जिक्र है। अतुल ने कहा था कि वो निकिता के लिए जिस अकाउंट में पैसा ट्रांसफर करता है, उसका एड्रेस लखनऊ का है। जिस शख्स के नाम पर अकाउंट रजिस्टर्ड है वो कोई आरजे सिद्दीकी है। जिसे वो नहीं जानता. अइब सॉफ्टवेयर इंजीनियर अतुल सुभाष सुसाइड केस में एक के बाद एक नई जानकारियां सामने आ रही हैं। जौनपुर फैमिली कोर्ट का एक और दस्तावेज सामने आया है। दस्तावेजों के मुताबिक, अतुल ने बताया था कि वो निकिता को हर महीने पैसा भेजता है लेकिन जिस बैंक खाते में वो पैसा ट्रांसफर करता है वो अकाउंट किसी और शख्स के नाम पर रजिस्टर्ड है। उस शख्स का नाम आरजे सिद्दीकी है। अब आरजे सिद्दीकी कौन है, ये सवाल सबके मन में उठ रहा है। अतुल ने कहा था- आरजे सिद्दीकी का एड्रेस लखनऊ का है। जबकि, उसे इस शख्स के बारे में कोई जानकारी नहीं है. इस पर निकिता ने कहा था- मेरा किसी आरजे सिद्दीकी नाम के शख्स से और न ही लखनऊ से कोई लेना-देना है पुलिस इस एंगल से भी मामले की जांच कर रही है कि आखिर ये आरजे सिद्दीकी है कौन! फिलहाल अतुल सुभाष की पत्नी निकिता सिंघानिया बेंगलुरु की जेल में बंद है। कोर्ट ने निकिता, अतुल की सास निशा और साले अनुराग उर्फ पीयूष को 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है. 30 दिसंबर को तीनों की न्यायिक हिरासत खत्म होगी. इसके बाद तीनों को कोर्ट में पेश किया जाएगा. अभी बेंगलुरु पुलिस तीनों से पूछताछ कर रही है। हालांकि, पुलिस पूछताछ में तीनों ने बस यही कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोप गलत हैं। निकिता ने पुलिस को कहा- मैंने पिछले साढ़े तीन साल में अतुल से कभी भी डायरेक्ट बात नहीं की. कोर्ट में ही हमारा आमना-सामना होता था। मैं अतुल की हरकतों से परेशान होकर ही मायके लौटी थी. ससुराल वाले और अतुल मुझसे दहेज की मांग करते थे. अतुल अपनी सारी सैलरी अय्याशी में उड़ा देते थे. उनकी तीन गर्लफ्रेंड थीं।अपनी सैलरी खत्म होने के बाद वो मेरी सैलरी भी खत्म कर देते थे फिर मैं मां से जो पैसा मंगवाती थी।अतुल उसे भी मुझसे छीन लेते थे।अतुल की मारपीट और टॉर्चर से परेशान होकर ही मैं जौनपुर आ गई. अगर मुझे उनसे पैसे ही हड़पने होते तो मैं उन्हें क्यों छोड़ती. मैं वहीं साथ में रहकर उनसे पैसे हड़पती रहती लेकिन मैं दिल्ली में अपनी नौकरी करती हूं। क्या बोली निकिता सिंघानिया? बेंगलुरु पुलिस को निकिता ने बताया- मैं मेंटेनेंस की डिमांड इसलिए कर रही थी क्योंकि मेरी सैलरी फ्लैट की पेमेंट में चली जाती थी। बच्चे को पालने में मुझे परेशानी होती थी मैं बच्चे के लिए ही उनसे मेंटेनेंस की डिमांड कर रही थी. जौनपुर कोर्ट से मिले एक दस्तावेज में अतुल ने कहा था- निकिता किसी रोहित निगम नाम के शख्स से घंटों तक बात करती थी. उसे लेकर हमारे बीच लड़ाई झगड़े होते थे। मैंने निकिता के परिवार को 16 लाख रुपये दिए थे. वो मुझसे 50 लाख की डिमांड कर रहे थे. जब मैंने उन्हें पैसा देने से मना कर दिया तो वो लोग मुझे टॉर्चर देने लगे. निकिता मुझे छोड़कर चली गई।साढ़े चार साल के बेटे व्योम को भी साथ ले गई मुझे मेरे बेटे से बात तक नहीं करने दी जाती. मेरी सैलरी 80 हजार रुपये है और निकिता मुझसे हर महीने इतने की डिमांड कर रही है।

भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी जन्म जयंती सम्मान सप्ताह हेतु गोपाल शेट्टी ने प्रेस प्रतिनिधियों की वार्ता

कांदिवली (उत्तरशक्ति)। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद जनसेवक गोपाल शेट्टी की संकल्पना, प्रयास और मार्गदर्शन में पूरे सप्ताह अनेक जनसेवा, खेल, साहित्य जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का उत्तर मुम्बई परिसर में आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में से एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है स्वर्गीय प्रमोद महाजन क्रीड़ा संकुल के पहले चरण का लोकार्पण और इस मैदान पर होने जा रहा है अटल खेल महोत्सव। इसी संदर्भ में पूरी जानकारी मीडिया को देने के लिए गोपाल शेट्टी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। इस कान्फ्रेंस में वरिष्ठ भाजपा नेता एडवोकेट जे पी मिश्रा, निषाद कोरा, सीनियर जर्नलिस्ट अमित मिश्रा, प्रेसी अंकल और सुधीर परांजपे उपस्थित रहे। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने स्व. प्रमोद महाजन क्रीडांगण में आयोजित विशाल प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत 25 दिसंबर को सुबह 9 बजे कांदिवली स्थित स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया में स्थापित भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की भव्य प्रतिमा को पुष्पहार अर्पण कर की जाएगी। इसके साथ ही सायंकाल में विशाल राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का भी साहित्यिक आयोजन किया गया है। आयोजन की कड़ी में महाराष्ट्र के नवनिर्वाचित मंत्रियों, विधायकों और अनेक वरिष्ठ जन प्रतिनिधियों का भव्य नागरी सत्कार किया जाएगा। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी सन्मान सप्ताह के आयोजन में स्व. प्रमोद महाजन क्रीड़ा संकुल के पहले चरण का लोकार्पण पूर्व राज्यपाल (उत्तर प्रदेश) राम नाईक की अध्यक्षता में होने जा रहे विशेष समारोह में लोक लाड़ले नेता स्व. प्रमोद महाजन जी की सुपुत्री पूनम महाजन के हाथों लोकार्पण किया जाएगा। इस कार्यक्रम में सांसद पीयूष गोयल सहित अनेक विधायक , पूर्व नगरसेवक सहित अनेक जन - प्रतिनिधि और नागरिक उपस्थित रहेंगे। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर पूरे सप्ताह आयोजित कार्यक्रम में खेल महोत्सव का आयोजन काफी विशेष होगा। जिसमें पुरुषों की कबड्डी के अलावा महिला खिलाड़ियों की कबड्डी प्रतियोगिता और क्रिकेट टूनामेंट आयोजित किए जाएंगे। इन टूनामेंट में प्रत्येक खेल के लिए 32 प्रतिष्ठित टीमें भाग लेंगी। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने जानकारी देते हुए आगे बताया कि स्व. प्रमोद महाजन क्रीड़ा संकुल में 2 किमी का जोगर्स ट्रैक और अंतराष्ट्रीय स्तर के (फीफा वर्ल्ड कप फुटबॉल) ग्राउंड के समान का फुटबॉल ग्राउंड विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा, भविष्य में इस संकुल में तरण तलाव, इनडोर स्टेडियम और अन्य खेल सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी।

दिल्ली बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 61वीं छमाही बैठक एवं वार्षिक समारोह का आयोजन

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र में देश के प्रमुख बैंक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी), के प्रधान कार्यालय में सुश्री अंशुली आर्या, आई.ए.एस., माननीय सचिव, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के मुख्य आतिथ्य एवं पंजाब नैशनल बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी अतुल कुमार गोयल तथा कार्यपालक निदेशकगण बिनोद कुमार, बी. पी. महापात्र की विशिष्ट उपस्थिति में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। समारोह में चन्दन कुमार, मुख्य महाप्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक, प्रवीन गोयल, मुख्य महाप्रबन्धक तथा अध्यक्ष-दिल्ली बैंक नराकास एवं अंचल प्रमुख (दिल्ली), देवार्चन साहू, महाप्रबंधक (राजभाषा), पीएनबी के मुख्य महाप्रबंधकगण, महाप्रबंधकगण एवं दिल्ली बैंक नराकास के सदस्य बैंकों/बीमा कंपनियों/वित्तीय संस्थानों के स्थानीय कार्यालय अध्यक्ष व राजभाषा प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक की शुरूआत बिनोद कुमार, कार्यपालक निदेशक (राजभाषा) के स्वागत संबोधन से हुई तत्पश्चात दिल्ली बैंक नराकास की गृह पत्रिका का विमोचन किया गया तथा नराकास शील्ड प्रतियोगिता के विजेता कार्यालयों के प्रमुखों एवं राजभाषा प्रभारियों को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर सुश्री अंशुली आर्या, आई.ए.एस., सचिव, भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, ने अपने सम्बोधन में कहा कि राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार के लिए एकजुट होकर कार्य करने की आवश्यकता है, और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियां इस कार्य को बखूबी अंजाम दे रही हैं। अतुल कुमार गोयल, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी महोदय ने अपने संबोधन में दिल्ली बैंक नराकास को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त करने हेतु समस्त टीम को बधाई देते हुए कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक भी है।

शाखा प्रबंधक ने नगर पंचायत अध्यक्ष को किया सम्मानित

-मोहम्मद अफजल

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कस्बा खेतासराय स्थित नगर पंचायत कार्यालय में मंगलवार को एचडीएफसी बैंक के शाखा प्रबंधक प्रिंस कुमार श्रीवास्तव ने नगर पंचायत अध्यक्ष वसीम अहमद को शाल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर बैंक की वित्तीय सेवाओं और डिजिटल जागरूकता पर चर्चा की गई। प्रिंस कुमार श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि एचडीएफसी बैंक की खेतासराय शाखा की सभी सेवाएं अब पूरी तरह शुरू हो चुकी हैं। क्षेत्र के उपभोक्ता बैंक की सेवाओं का लाभ आसानी से उठा सकेंगे। उन्होंने कहा कि एचडीएफसी बैंक उपभोक्ताओं को व्यक्तिगत और भरोसेमंद सेवाएं प्रदान करने पर केंद्रित है। नगर पंचायत अध्यक्ष वसीम अहमद ने इस मौके पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि कस्बा और क्षेत्र के व्यापारी एवं उपभोक्ता एचडीएफसी बैंक की सेवाओं से लाभान्वित होंगे। व्यापारियों को लेनदेन में सहूलियत मिलेगी और उपभोक्ताओं को एक भरोसेमंद बैंकिंग सुविधा का लाभ मिलेगा।निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा ऋणदाता एचडीएफसी ग्राहकों के लिए व्यक्तिगत अनुभव को बेहतर बनाने और दीर्घकालिक ग्राहक संबंध मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है नगर पंचायत खेतासराय कार्यालय पहुंचे शाखा प्रबंधक ने सभी लोगों का आभार जताया। इस मौके पर नगर पंचायत के सभासद इलियास उर्फ मोनू खान, एजाज अहमद सहित कई लोग उपस्थित रहे।

भव्य रूप से मनाया गया तुलसी पूजन दिवस

मुंबई। श्री योग वेदांत सेवा समिति नवी मुंबई एवं संत आशारामजी आश्रम द्वारा एक अनूठी और प्रभावशाली पहल के रूप में, पर्यावरण सुरक्षा, नशा मुक्ति पर ध्यान आकर्षित कराने के लिए रविवार 22 दिसंबर 2024 को संत आशारामजी बापू के कृपापात्र साधक शिष्य रामाभाई के सानिध्य में संयुक्त कार्यक्रम के साथ साथ भव्य संकीर्तन यात्रा अयोजित की गयी। यह यात्रा नवी मुंबई वाशी के रघुलीला मॉल से कोपरखैरणे एनएमएमसी ग्राउंड तक निकाली गयी । योगवेदन्त सेवा समित्ति के पदाधिकारी राजकुमार गुप्ता जी, नवी मुंबई के राजभर, बंसराज पाल, डी.के प्रसाद, गोपाल पुरोहित सहित अन्य प्रमुख पदाधिकारियों व समस्त साधक सेवाधारी भाइयों नें एकजुट होकर कार्य करते हुए इस सामाजिक जागरण के कार्यक्रम को सफल बनाया। इस कार्यक्रम में आयुर्वेद में श्रेष्ठ ॒तुलसी माता॒ का विधिवत पूजन किया गया । इसके साथ ही विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों व विशेष गणमान्य व्यक्तियों के प्रबोधनों द्वारा तुलसी की महत्ता बताकर समाज को तुलसी पूजन, तुलसी-सेवन व तुलसी-रोपण आदि के लिए प्रेरित किया गया । इसके साथ ही तुलसी के पौधों का वितरण भी किया गया। धार्मिक व सामाजिक दृष्टि से तो तुलसी महत्त्वपूर्ण है ही, पर्यावरण-संरक्षण में भी यह महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है । यह अन्य पौधों के मुकाबले तीन गुना ऑक्सीजन उत्सर्जित करती है । ह्यघर का वैद्यह्ण कही जानेवाली तुलसी को अद्भुत औषधि कहकर विज्ञान ने भी सराहना की है ।

तुलसी एंटी ऑक्सीडेंट, एंटी वायरल, एंटी बैक्टीरियल है । कोविड-19 के समय में तो विज्ञानविदों ने भी उत्तम आरोग्य के लिए तुलसी की भूरी-भूरी प्रशंसा की है। स्थानीय स्वास्थ्य विशेषज्ञों और पुनर्वास केंद्रों व काउंसलिंग सेवा के सहयोग से समाज को नशामुक्त बनाने के लिए भी विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया । समाज में नशामुक्ति और मानसिक स्वास्थ्य के विषय पर लोगों को जागरूक किया गया ।

मोक्ष और परमपद का मार्ग प्रशस्त करती है गीता : शंकराचार्य स्वामी नारायणंद तीर्थ

मुंबई(उत्तर शक्ति)। अनन्त श्री विभूषित श्री काशी धर्मपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानंद तीर्थ महाराज के पावन सान्निध्य में 22 दिसंबर से 29 दिसंबर 24 तक प्रतिदिन सायं 4 बजे से 7 बजे तक श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ, का आयोजन डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मैदान, लोखंडवाला कोम्प्लेक्स, कांदिवली (पूर्व) मुंबई में नारायण सेवा समिति, कांदिवली की ओर से किया गया है। यज्ञ के तीसरे दिन भारी संख्या में उपस्थित भक्तों को संबोधित करते हुए भागवत कथा का दिव्य संदेश देते हुए स्वामी जी ने कहा कि श्रीमद् भागवत केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं है बल्कि जीवन का मार्गदर्शन करने वाला अद्भुत माध्यम भी है। यह कथा मानव जीवन को सार्थक बनाते हुए, ईश्वर से संबंध जोड़ने और मोक्ष प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करती है। श्रीमद् भागवत हमें सिखाती है कि भगवान केवल मंदिरों में नहीं, बल्कि हर कण-कण, हर वस्तु, और हर जीव में विद्यमान हैं। जब हम इस सत्य को समझते हैं और हर वस्तु में ईश्वर को देखते हैं, तब हमारा हृदय यशोदा माता के समान भगवान के प्रेम से परिपूर्ण हो जाता है। भागवत कथा में भक्ति, ज्ञान, वैराग्य, कर्मयोग, समाजधर्म, स्त्रीधर्म, राजनीति का ज्ञान होता है। भागवत कथा का मूल मंत्र सदाचार है। भागवत कथा को परमहंस संहिता भी कहा जाता है। श्रीमद् भागवत में भक्त और भगवान के प्रेमपूर्ण रिश्तों का वर्णन किया गया है। यही संबंध भक्ति का आधार है। जो भक्त ईश्वर से अपने संबंध को दृढ़ कर लेते हैं, वही सच्चे अर्थों में मोक्ष प्राप्त कर सकते हैं। मोक्ष और परमपद की प्राप्तिः भागवत कथा सुनने और उसके दिव्य संदेश को जीवन में आत्मसात करने से भक्त ईश्वर के परमपद को प्राप्त करता है। यह कथा जीवन को पवित्रता, प्रेम, और शांति से भर देती है। गीता का उद्देश्य ही परमात्मा के ज्ञान, आत्मा के ज्ञान और सृष्टि विधान के ज्ञान को स्पष्ट करना है। गीता वास्तव में चरित्र निर्माण का सबसे बड़ा और उत्तम शास्त्र है। इसके माध्यम से भगवान ने कहा है कि चरित्र कमल पुष्प समान संसार में रहकर और श्रेष्ठ कर्मों से बनेगा घर-बार छोड़ने और कर्म छोड़ कर संन्यास क्रियाएं करने से बिलकुल नहीं। स्वामी जी ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य समाज में भक्ति, करुणा, और एकता का संदेश फैलाना है। यह कथा हमें सिखाती है कि हर जीव और वस्तु में ईश्वर का अंश है, और यह दृष्टि हमें एक बेहतर इंसान बनने में मदद करती है। कार्यक्रम का आयोजन नारायण सेवा समिति मुंबई द्वारा किया गया है। कार्यक्रम के आयोजन में श्री हरिश्चंद्र शुक्ला, एडवोकेट जे डी सिंह, एडवोकेट ओम प्रकाश सिंह, पंडित राम मणि मिश्र, लाल साहब मिश्र, श्री अनिल पांडे, प्रमोद दुबे, डॉ दिनकर दूबे आदि महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उक्त जानकारी काशी धर्म पीठ के प्रवक्ता प्रो दयानंद तिवारी ने दी है। अधिक जानकारी हेतु

भाजपा सदस्यता पंजीकरण अभियान अनुसंधान की जिला कार्यकारणी बैठक सम्पन्न

नाला सोपारा। नाला सोपारा में भाजपा सदस्यता पंजीकरण अभियान अनुसंधान की जिला कार्यकारिणी की बैठक हुई। जिसमें जिले की 2.5 विधानसभा में ढाई लाख सदस्य बनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रदेश सचिव एवं पालघर जिला प्रभारी रानी ताई द्विवेदी, लोकसभा सांसद डॉक्टर हेमंत विष्णु सावरा, आमदार राजन अप्पा नाइक, वसई विधायक स्नेहा ताई पंडित दुबे, जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, महिला मोर्चा महामंत्री प्रज्ञा पाटिल, अभय कक्कड़ अभियान संपर्क प्रमुख विश्वास सावंत उपस्थित रहे और मार्गदर्शन किया। ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष नीलेश राणे ने कार्यशाला में उपस्थित सभी प्रमुख पदाधिकारियों को सदस्यता अभियान के संबंध में मार्गदर्शन और जानकारी प्रदान किया।

अंबेडकर के खिलाफ की गई टिप्पणी पर जिला उपाध्यक्ष के नेतृत्व में कांग्रेसियों का हुआ धरना प्रदर्शन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।भारत रत्न डॉ भीम राव आंबेडकर पर अमित शाह द्वारा की गई अभद्र टिप्पणी के खिलाफ आज जौनपुर कांग्रेस के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारीओ ने जिला उपाध्यक्ष डॉ राकेश उपाध्याय के नेतृत्व मे धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) डॉ. भीमराव बाबासाहेब अम्बेडकर की विरासत और उनकी अध्यक्षता में तैयार किए गए संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में अटल है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद को डॉ. भीमराव बाबासाहेब अंबेडकर का अनादर करने के लिए एक मंच के रूप में इस्तेमाल किया है। हमारे संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर विशेष चर्चा के दौरान विपक्ष पर हमला करने के उत्साह में,अमित शाह ने डॉ. भीमराव बाबासाहेब अम्बेडकर पर अपमानजनक और बार बार अपमानजनक टिप्पणी की है।केंद्रीय गृह मंत्री की टिप्पणियाँ बेहद अमर्यादित हैं और हमारे स्वतंत्रता आंदोलन के सबसे बड़े नेताओं में से एक को अपमानित करने वाली हैं। हमारे संविधान के रूप में हमारे राष्ट्र के लोकाचार के निर्माण के साथ-साथ दलित समुदाय और अन्य हाशिए के समूहों के सदस्यों के अधिकारों को सुरक्षित करने में डॉ. अम्बेडकर का योगदान अतुल्नीय है और इसे दोहराने की आवश्यकता नहीं है। डॉ. अम्बेडकर के कद और भारत के नागरिकों से उनके प्रति सम्मान को देखते हुए।यह स्पष्ट है कि अमित शाह की टिप्पणियों ने करोड़ो भारतीयों की भावनाओं को आहत किया गया है। अब, भारत की संसद में प्रमुख विपक्ष के रूप में, और एक ऐसी पार्टी होने के नाते जो संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ है।

उत्तर भारतीय मोर्चा ने सनातन धर्म के प्रतीक त्रिशूल देकर किया विधायक नरेंद्र मेहता का सम्मान

भायंदर। उत्तर भारतीय मोर्चा, मीरा भायंदर द्वारा कल शाम को मीरा रोड के पूनम सागर स्थित मीरा लॉन में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में नवनिर्वाचित भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता का शानदार सम्मान किया गया। इस अवसर पर मोर्चा द्वारा मेहता को सनातन धर्म तथा हिंदुत्व की रक्षा के प्रतीक के रूप में त्रिशूल देकर सम्मान किया गया। मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुरेश सिंह ने कहा कि उत्तर भारतीय समाज ने जिस तरह से संगठित होकर भाजपा के पक्ष में मतदान किया, उसके लिए संपूर्ण उत्तर भारतीय समाज को विशेष धन्यवाद। उन्होंने कहा कि अब शहर के विकास का नया दौर शुरू होगा। नरेंद्र मेहता ने उत्तर भारतीय समाज का आभार मानते हुए कहा कि वे शहर के विकास, शांति और सुरक्षा के लिए संकल्पित हैं। शहर को नई पहचान दिलाने की दिशा में वे दुगनी ताकत के साथ काम करेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर भारतीय भवन के निर्माण का संकल्प पूरा किया जाएगा। मेहता ने कहा कि वे जल्द ही जल संसाधन मंत्री से मिलकर पानी की समस्या को पूरी तरह से दूर करने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य लोगों में समाजसेवी रत्नाकर मिश्रा, नगरसेवक मनोज रामनारायण दुबे नगरसेवक अनिल विरानी, नगरसेवक विजय राय, नगरसेविका झ वंदना भावसार, सीमा शाह दीप्ति भट्ट, हेतल परमार, राज रीयल्टी के निदेशक राजेश सिंह, रमेश मिश्रा, एडवोकेट राजकुमार मिश्रा, बृजेश तिवारी, भाजपा प्रवक्ता शैलेश पांडे, जटाशंकर पांडे , नगरसेविका स्नेहा पांडे, मीरा यादव, समाजसेवी राजेश मिश्रा, समाजसेवी संतोष दिक्षित, सुशील दुबे, सुनील पाठक राजेश मिश्रा, अनिल सिंह,अजीत उपाध्याय, नित्यानंद पांडे ,स्वप्निल शुक्ला, ओम प्रकाश सिंह, डॉक्टर विनोद सिंह, मनोज चतुवेर्दी, राजेश शर्मा, संजीत सिंह, सुरेंद्र उपाध्याय, राजेश सिकरवार, प्रेम चौहान, एडवोकेट पीआर शुक्ला, राजू पांडे, डीसी पांडे, मनीष मिश्रा, अमित पांडे, एडवोकेट करन पांडे आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर मोर्चा के महासचिव कमलेश दुबे, संदीप तिवारी ,जयप्रकाश पांडे, उमाशंकर तिवारी, हरिप्रसाद पाठक , आरएम त्रिपाठी, आशीष द्विवेदी ,ओम पांडे, मुकेश तिवारी, रामानंद पांडे, गोपी नामवर, संतोष सिंह, प्रतिभा सिंह, पूनम दुबे, एसपी त्रिपाठी, सरोज मिश्रा, कुसुम जायसवाल, गीता सिंह ,रेनू मल्लाह, अनिता राय, पूजा विश्वकर्मा समेत हजारों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तमंचा 315 बोर व एक जिन्दा कारतूस के साथ व्यक्ति को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश यादव के मार्गदर्शन में थाना जफराबाद पुलिस द्वारा क्षेत्र में भ्रमणशील थी कि मुखबीर खास की सूचना पर एक वारण्टी सम्बन्धित मु0नं0 1477/12 सरकार बनाम जितेन्द्र मौर्या धारा 3/5ए/8 गोवध निवारण अधिनियम थाना कोतवाली जौनपुर मा0 न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट चतुर्थ कोर्ट-15 जौनपुर ता0 पेशी 05.01.2025 से सम्बन्धित अभियुक्त जितेन्द्र मौर्या पुत्र लक्ष्मी मौर्या नि0 नाथूपुर थाना जफराबाद जौनपुर को गुड्डू यादव के आटा चक्की के पास जमैथा रोड से गिरफ्तार कर थाना हाजा लाया गया तत्पश्चात कड़ाई से पूछताछ के दौरान अभियुक्त उपरोक्त द्वारा बताया गया कि उसके द्वारा अपने सुरक्षा एवं शौक के लिए एक कट्टा और एक कारतूस छुपा कर रखा गया है ।

भारतीय समता समाज पार्टी ने मनाया डॉ. रत्नप्पा कुम्हार की पुण्यतिथि

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। भारतीय समता समाज पार्टी ने डॉ रत्नप्पा कुम्भार की 26वीं पुण्यतिथि महाराष्ट्र की धरती पर बड़े ही धूमधाम से मनाई गयी। स्वतंत्रता सेनानी भारतीय संविधान सभा के सदस्य ,सहकार एवं हरित क्रांति के प्रेरक, आधुनिक महाराष्ट्र के शिल्पकार काउंसिल आफ एजुकेशन के संस्थापक, अध्यक्ष पदमश्री देशभक्त क्रांतिकारी डॉक्टर रत्नप्पा कुम्हार की 26वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन नालासोपारा तुलिंज रोड जैन समाज हाल में किया गया। जिसके मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ संजय चोपड़ा शिवाजी यूनिवर्सिटी कोल्हापुर, कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर रामजन्म प्रजापति प्रजापति समाज मुंबई ने किया। प्रमुख वक्ता डॉ संजीव प्रजापति, रतन तिवारी, अजय प्रजापति, विशिष्ट अतिथि के रूप में रमेश प्रजापति, दीपक गांधी, इंद्रजीत विश्वकर्मा, अशोक शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम के संयोजक बाबा प्रजापति साथ में भारतीय समता समाज पार्टी के उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष सचिन प्रजापति, प्रदेश मीडिया प्रभारी निलेश प्रजापति, विजय शंकर प्रजापति,चंदन महाकाल पत्रकार, विवेक प्रजापति के साथ सैकड़ो लोगों ने उपस्थित होकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। डॉक्टर संजय चोपड़ा ने कहा की डॉक्टर रत्नप्पा कुम्भार पूरे देश के लिए एक प्रेरणा स्रोत हैं। देश में इनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। इन्होंने भारतीय संविधान के मसौदे पर दूसरे नंबर पर हस्ताक्षर किया है। नेहरू के बाद और काउंसिल आफ एजुकेशनके संस्थापक थे। आज उस कॉलेज से लाखों बच्चों को शिक्षा मिल रही है। रत्नप्पा कुम्हार जी सरदार पटेल जी के दाहिने हाथ थे, जो की अखंड भारत बनाने में उनकी सहभागिता की थी, कई रियासतों को मिलाया था। रत्नप्पा जी को भारत रत्न मिलना चाहिए। उनके नाम से एक सिक्का सरकार को आवंटित करनी चाहिए। भारत के कई राज्यों में रत्नप्पा जी को लेकर जागरूकता आई है। भविष्य में उनकी पूरी टीम ऐसे ही काम करें इनका भविष्य उज्जवल हो हमारी यही शुभकामनाएं हैं। हम उनके साथ हैं भारतीय समता समाज पार्टी का बहुत बड़ा योगदान है। रत्नप्पा के नाम के विस्तार के लिए उनकी पूरी टीम को हम आभार व्यक्त करते हैं और जहां भी जरूरत पड़ेगी हम साथ खड़े रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो रामजन्म प्रजापति ने भारतीय संविधान की बुक अतिथियों को सम्मान पूर्वक दिया। प्रजापति सेवा संघ मुंबई टीम द्वारा सभी को नववर्ष का कैलेंडर वितरण किया गया। अखिल प्रजापति कुंभकार समाज के मुख्य महासचिव रमेश प्रजापति, सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष अजय प्रजापति, आत्मा राम प्रजापति, राकेश प्रजापति, विवेक प्रजापति दिलीप प्रजापति मयंक, रतन तिवारी, महिंदर , ओम प्रकाश प्रजापति, राम चंदर प्रजापति, अरुण प्रजापति, डॉ संजीव प्रजापति ने कहा एक मिशन रत्नप्पा जी के नाम..।

भारतीय संविधान निमार्ता सभा के सदस्य, क्रांतिकारी महान देश भक्त, आधुनिक भारत के सहकार, शिल्पकार, अखण्ड भारत बनाने के योद्धा, गरीबों,पिछड़ों और एकता , समता और समानता की लड़ाई लड़नें वाले देश के जन जन के प्रेरणा स्रोत डा रत्नप्पा भरमप्पा कुम्हार जी की 26 वीं पुण्यतिथि पर भाव पूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करता हुं।